अंदर क्या है?

प्रमुख विशिष्टियाँ	2
प्रमुख समाचार	4
राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं के समारोह	7
नियुक्तियाँ और पदोन्नतियाँ	10
अनुसंधान की विशिष्टियाँ	12
अकादमिक गतिविधियाँ	14
पुरस्कार और उपलब्धियाँ	15
अनुसंधान और विकास	18
बौद्धिक संपत्ति	20
अधिगम गतिविधियाँ	
- शिक्षा प्रौद्योगिकी एकक (ETU)	21
- अधिसदस्यताएँ और विस्तरण (F&E) कार्यक्रम	24
राजभाषा का कार्यान्वयन (हिंदी कक्ष)	25
व्याख्यान, संगोष्ठियाँ और सम्मेलन	26
आगामी व्याख्यान/बैठकें/संगोष्ठियाँ	28

वार्षिक समाचार | जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र

ज ने कें समाचार

अंक: 62
2024

अध्यक्ष का संदेश

हमारे न्यूज़लेटर का एक और अंक आपके सामने पेश करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है, जो हमारे केंद्र, हमारे सहयोगियों, विद्यार्थियों और अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का एक महत्वपूर्ण रिकॉर्ड है। हमें यह देखते हुए बहुत गर्व होता है कि हमारे केंद्र को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में लगातार शीर्ष संस्थानों में स्थान दिया गया है। इस वर्ष, हमने अनुसंधान संस्थानों की श्रेणी में उत्कृष्ट 34वीं रैंक हासिल की है। इस सफलता का श्रेय हमारे सभी समर्पित अनुसंधानकर्ताओं को जाता है, जिनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता हमें आगे बढ़ाती रहती है।

हमारे कई सदस्यों को उनके असाधारण कार्य के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित प्लेटफार्मों पर व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया गया है। विशेष रूप से, कन्नड में भारत रत्न प्रो. सी एन आर राव की आत्मकथा, विज्ञानदोळगोंदु जीवन (ए लाइफ इन साइंस का अनुवाद), का विमोचन किया गया, जो विज्ञान की प्रगति के प्रति *प्रो. राव* के अटूट समर्पण का एक वसीयतनामा है। उन्हें भारतीय रासायनिक संघ की ओर से अत्यधिक प्रतिष्ठित शताब्दी के रसायनविद् पुरस्कार और हिंदू रिसर्च फ़ाउंडेशन की ओर से *नागार्जुन पुरस्कार* 2024 भी मिला। प्रो. चंद्रभास नारायण को एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, जबकि प्रो. शोभना नरसिम्हन को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित "*विज्ञान की नायिका*" डायरी में दर्शाया गया और म्यूनिख के तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा "TUM ग्लोबल एंबेसडर" के रूप में नियुक्त किया गया।

हमारे कई संकाय सदस्यों को प्रमुख विज्ञान अकादमियों से प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त, कई संकाय सदस्य भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और समितियों के संपादकीय बोर्ड में शामिल हुए हैं। ये पुरस्कार अनुसंधान और अकादमिक उपलब्धियों में केंद्र की निरंतर उत्कृष्टता को विशिष्ट बना देते हैं।

संपोषणीय विकास के क्षेत्र किए गए योगदान के मामले में, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे कुछ अनुसंधानकर्ताओं ने ऊर्जा सक्षम भारत का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनमें से, प्रो. सेबेस्टियन सी पीटर ने अपनी नवोद्यम कंपनी, ब्रीद एप्लाइड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर राष्ट्रीय नवोद्यम पुरस्कार 2023 में *संपोषणीय विजेता पुरस्कार जीता।* मैं उनके प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करता हूं। हमने 13वें *बेंगलूरू इंडिया नैनो 2024* कार्यक्रम में भी भाग लिया, जो 'सस्टेनेबिलिटी के लिए नैनो टेक्नोलॉजी' पर केंद्रित था, जहां हमारी टीम ने स्मार्ट ग्लास टेक्नोलॉजी के लिए *बेंगलूरू इंडिया नैनो इनोवेशन पुरस्कार 2024* जीता। इसके अतिरिक्त, मैं अपने उन सभी विद्यार्थियों की सराहना करता हूं, जिन्होंने हाल के महीनों में विभिन्न प्लेटफार्मों पर अन्य मान्यताओं के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ पोस्टर, सर्वश्रेष्ठ थीसिस और यात्रा पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

कार्यात्मक (कार्य में परिवर्तनीय) अनुसंधान (ट्रांसलेशनल रिसर्च) और संपोषणीय नवोन्मेष को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, पिछले वर्ष में हमने 18 एकस्वाधिकार दाखिल किए, जिनमें से 6 पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। हमने औद्योगिक भागीदारों और अनुसंधान

जारी...

सहयोगियों के साथ 21 समझौतों पर हस्ताक्षर किए और भविष्य में सहयोग के अवसरों पर चर्चा करने के लिए विभिन्न उद्योगों की अनुसंधान और विकास टीमों की मेजबानी की। DST के सचिव प्रो. अभय करंदीकर द्वारा हमारे अर्कावती कैंपस में संपोषणीय नवोन्मेष और विकास केंद्र (IDC) के उद्घाटन से कार्यात्मक (कार्य में परिवर्तनीय) (ट्रांसलेशनल रिसर्च) में हमारे प्रयासों को और बढ़ावा मिला है। IDC, आविष्कारों को बढ़ाने और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित प्रयोगशालाओं की मेजबानी करने के लिए एक प्लेटफार्म के रूप में कार्य करता है। यह पहल शिक्षा और-उद्योग की साझेदारी को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अकादमिक अग्रभाग में, हमें 130 नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, जो मध्य वर्ष और नियमित प्रवेश के दौरान हमारे साथ शामिल हुए हैं, जिससे हमारे विद्यार्थियों की संख्या 447 हो गई है। हम अपने सभी नए विद्यार्थियों को बधाई देते हैं और उनका स्वागत करते हैं और उनकी अकादमिक यात्रा में सफलता की कामना करते हैं। इसके अतिरिक्त, हमने अपने स्नातक विद्यार्थियों को 101 डिप्लोमा व उपाधियाँ प्रदान की हैं।

हमारा साइंस जन-सम्पर्क विंग, लोकप्रिय विज्ञान पर व्यावहारिक कार्यशालाओं के माध्यम से देश के दूरदराज के कोनों के विद्यार्थियों तक पहुंचने में अत्यधिक सक्रिय रहा है। हमने अपने विभिन्न जन-सम्पर्क आयोजनों और कार्यशालाओं में 5,000 से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी देखी है। मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि विज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने के अलावा, हम युवाओं के बीच वैज्ञानिक जागरूकता को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

मुझे वैज्ञानिक अनुसंधान और संपोषणीय नवोन्मेष, जन-सम्पर्क गतिविधियों, अकादमिक कार्यक्रमों और महत्वपूर्ण उपलब्धियों के समारोह के बीच सही संतुलन बनाने की हमारी क्षमता पर बहुत गर्व है। मैं इस प्रगति को संभव बनाने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। आइए हम अपने भागीदारिता लक्ष्यों और दृष्टिकोण की दिशा में लगातार साहसिक कदम उठाते रहें।

अंत में, मैं विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से प्राप्त निरंतर समर्थन के लिए अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त करना चाहता हूं, जिसकी हमारी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उत्कृष्टता की खोज में आगे बढ़ने के लिए आप सभी को शुभकामनाएं।

सादर,

जी यू कुलकर्णी
अध्यक्ष, जेएनसीएएसआर

प्रमुख विशिष्टियाँ

प्रो. सी एन आर राव की आत्मकथा-पुस्तक का लोकार्पण (विमोचन)

19 अक्टूबर 2023 को JNCASR में डॉ. चंद्रशेखर कंबार (ज्ञानपीठ, पद्म श्री, और पद्म विभूषण पुरस्कार पुरस्कृत) द्वारा कन्नड में प्रो. सी एन आर राव की आत्मकथा *'विज्ञानदोळगोंदु जीवन'*, *'ए लाइफ इन साइंस'* के अनुवाद का विमोचन किया गया था। यह कार्यक्रम JNCASR और नवकर्नाटक प्रकाशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था और इसकी अध्यक्षता JNCASR के अध्यक्ष प्रो. जी यू कुलकर्णी ने की थी। इस कार्यक्रम को YouTube पर लाइव-स्ट्रीम किया गया था: https://www.youtube.com/watch?v=cf80SzWxixw.

(बाएं से दाएं): डॉ. एम एस एस मूर्ति (अनुवादक), भारत रत्न प्रो सी एन आर राव, लाइनस पॉलिंग रिसर्च प्रोफेसर और मानद अध्यक्ष, JNCASR, डॉ. चंद्रशेखर कंबार, प्रो. जी यू कुलकर्णी, अध्यक्ष, JNCASR और श्री ए रमेश उडुप (प्रकाशक)।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

JNCASR और ICAR-NBAIR ने केंद्र में 19 मार्च 2024 को ATGC बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ एक प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौता किया।

(दाएं से बाएं): डॉ. केसवन सुबहारन, आविष्कारक, ICAR-NBAIR, डॉ. मार्कंडेय, एमडी, ATGC बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. एस एन सुशील, निदेशक, ICAR-NBAIR और JNCASR टीम (प्रो. जी. यू. कुलकर्णी, अध्यक्ष, JNCASR, प्रो. एम. ईश्वरमूर्ति, JNCASR के सह-आविष्कारक, प्रो. के. आर. श्रीनिवास, अधिसंकाय अनुसंधान व विकास, जोयदीप देब, प्रशासनिक अधिकारी और डॉ. पनीर सेल्वम, समन्वयक, अनुसंधान व विकास और एफ एंड ई)

DST अधिकारियों के साथ अंतरक्रियात्मक बैठक

DST, भारत सरकार के अधिकारियों की 12 सदस्यीय टीम ने 11 मार्च 2024 को JNCASR का दौरा किया। प्रो. एन एस विद्याधिराज, संकायाध्यक्ष एफ एंड ई, ने केंद्र में अनुसंधान और अकादमिक गतिविधियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। आगंतुक टीम ने अध्यक्ष, JNCASR, केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुसंधान विद्यार्थियों के साथ बातचीत की और रसायन विज्ञान विरासत प्रदर्शनी, सी एन आर राव हॉल ऑफ साइंस, और केंद्र की कुछ प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण किया।

डीएसटी अधिकारियों का जेएनसीएएसआर परिसर का दौरा

DST-SAIF कार्यक्रम की समीक्षा

प्रो. अभय करंदीकर, सचिव, DST ने एआई डिवीजन के प्रमुख डॉ. एम मोहंती और अनुसंधान व विकास अंतर्संरचना प्रभाग की प्रमुख डॉ. प्रतिष्ठा पांडे के साथ, 2 अप्रैल 2024 को DST के परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधाओं के कार्यक्रम की सबलीकृत (सशक्तीकृत) समिति की बैठक और केंद्र की अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए JNCASR का दौरा किया। JNCASR के अध्यक्ष प्रो जी यू कुलकर्णी ने JNCASR की अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी, जबकि प्रबंधन परिषद, JNCASR के अध्यक्ष प्रो रामगोपाल राव ने विचार-विमर्श के दौरान अपने विचार व्यक्त किए। केंद्र के संकायाध्यक्ष और अधिकारियों ने भी भाग लिया।

डीएसटी-परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा (एसएआईएफ) कार्यक्रम

मान्यता प्राप्तेय विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों के साथ अंतरापृष्ठीय बैठक

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), नई दिल्ली में 4 अप्रैल 2024 को मान्यता प्राप्तेय - विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। यूजीसी के अध्यक्ष, प्रो. एम जगदीश कुमार ने नीति कार्यान्वयन की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। JNCASR के अध्यक्ष प्रो जी यू कुलकर्णी ने केंद्र की अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों और नई शिक्षा नीति 2020 की कार्यान्वयन स्थिति प्रस्तुत की।

मान्यता प्राप्तेय के उपकुलपतियों के साथ अंतरापृष्ठीय बैठक

बेंगलूरू इंडिया नैनो 2024

JNCASR ने 2 से 3 अगस्त 2024 को द ललित बेंगलूरू में आयोजित भारत के प्रमुख नैनोटेक कार्यक्रम "बेंगलूरू इंडिया नैनो" के 13वें आयोजन में भाग लिया, जिसका मुख्य विषय था, *'सपोषणीयता हेतु नैनो प्रोद्योगिकी – जलवायु, ऊर्जा व स्वास्थ्य सुरक्षा।* यह कार्यक्रम कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा, नैनो टेक्नोलॉजी पर कर्नाटक के विज़न ग्रुप के सहयोग से आयोजित किया गया था। JNCASR ने स्मार्ट विंडोज (मुख्य अन्वेषक: प्रो जी यू कुलकर्णी), विकिरणीय शीतलन रंग (मुख्य अन्वेषक: प्रो बीवास साहा), और अर्ध-रासायनिकों के वितरण के लिए नियंत्रित विमोचन वितरक (मुख्य अन्वेषक: प्रो एम ईश्वरमूर्ति) जैसे आविष्कारों से संबंधित उत्पादों का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त, अकादमिक, अधिसदस्यताएँ और विस्तरण,और जन-सम्पर्क कार्यक्रमों को दर्शाने वाले भित्तिचित्र भी प्रदर्शित किए गए।

प्रो. कनिष्क बिस्वास ने ऊर्जा सत्र में "फोनोन-ग्लास इलेक्ट्रॉन-क्रिस्टल जैसे उच्च थर्मोइलेक्ट्रिक्स" पर व्याख्यान दिया

प्रमुख समाचार

NIRF रैंकिंग 2024

हाल ही में घोषित NIRF रैंकिंग 2024 के अनुसंधान संस्थानों की श्रेणी के तहत JNCASR 34वें स्थान पर है।

समाचार स्त्रोत:

- *NIRF* (https://www.nirfindia.org/Rankings/2024/ResearchRanking.html)
- JNCASR द्वारा *ट्विटर* पोस्ट , 13 अगस्त 2024 (rb.gy/h126l4)

'द केमिस्ट ऑफ़ द सेंचुरी' पुरस्कार

इंडियन केमिकल सोसाइटी ने 23 जनवरी 2024 को प्रो. सी एन आर राव को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके पथप्रदर्शक योगदानों के सम्मान में *'केमिस्ट ऑफ़ द सेंचुरी'* पुरस्कार से सम्मानित किया। JNCASR के अध्यक्ष प्रो. जी यू कुलकर्णी और डॉ. इंदुमती राव, मानद समन्वयक, ETU, JNCASR, जैसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इंडियन केमिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. जी डी यादव ने प्रो. राव को सम्मानित किया।

'द केमिस्ट ऑफ द सेंचुरी' पुरस्कार और सम्मान समारोह के फोटो

समाचार स्त्रोत:

- *बायोस्पेक्ट्रम*, 9 फरवरी 2024 (https://rb.gy/z0ckeq)
- *सिलिकॉन इंडिया*, 24 जनवरी 2024 (https://rb.gy/uhulrr)

'नेशनल नवोद्यम पुरस्कार 2023'

NCU के प्रो. सेबेस्टियन सी पीटर और उनकी नवोद्यम कंपनी ब्रीथ एप्लाइड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड ने नेशनल नवोद्यम अवार्ड्स 2023 में *"सस्टेनेबिलिटी चैंपियन पुरस्कार"* जीता।

समाचार स्त्रोत:

- *Inc42*, 16 जनवरी 2024 (https://inc42.com/buzz/meet-the-20-winners-of-national-startup-awards-2023/)
- *TICE News*, 17 जनवरी 2024 (https://www.tice.news/tice-trending/national-startup-award-results-2022-meet-the-top-startups-of-2022-2388306)
- नवोद्यम इंडिया द्वारा *ट्विटर* पोस्ट, 17 जनवरी 2024 (https://rb.gy/mt464g)
- JNCASR द्वारा *ट्विटर* पोस्ट, 20 जनवरी 2024 (https://rb.gy/4w6k43)

पुरस्कार प्राप्त करते हुए
ब्रीथ एप्लाइड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक,
प्रो. सेबेस्टियन सी पीटर और डॉ. रक्षित

संपोषणीय नवोन्मेष और विकास केंद्र का उद्घाटन

JNCASR के संपोषणीय नवोन्मेष और विकास केंद्र (IDC) और CeNS के हेमावती छात्रावास का उद्घाटन 8 जुलाई 2024 को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के सचिव प्रो. अभय करंदीकर द्वारा किया गया था। इस अवसर पर भारत रत्न प्रो. सी एन आर राव, प्रो. रामगोपाल राव, अध्यक्ष, JNCASR, और CeNS के प्रशासी परिषद के अध्यक्ष प्रो. के एन. गणेश, CeNS के निदेशक प्रो. बी एल वी प्रसाद और JNCASR के अध्यक्ष प्रो. जी यू कुलकर्णी भी मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, टेक ट्रांसलेशन — एक पोस्टर प्रदर्शनी और उद्योग सत्र के साथ बातचीत — IDC में आयोजित की गई थी, जिसमें स्वायत्त संस्थानों, DST के तकनीकी अनुसंधान केंद्रों, JNCASR संपोषणीय नवोन्मेषों पर आधारित स्टार्टअप्स और तकनीकी कार्य में परिवर्तनीय कंपनियों के 20+ प्रदर्शकों द्वारा संपोषणीय नवोन्मेषों का प्रदर्शन किया गया। प्रो. करंदीकर की अध्यक्षता में एक गोलमेज चर्चा भी आयोजित की गई।

भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के सचिव प्रो. अभय करंदीकर द्वारा 8 जुलाई 2024 को अर्कावती कैंपस, JNCASR में संपोषणीय नवोन्मेष और विकास केंद्र का उद्घाटन।

समाचार स्त्रोत:

- *JNCASR*, 8 जुलाई 2024 (https://www.jncasr.ac.in/all-events/inauguration-innovation-development-centre)
- *DST*, 9 जुलाई 2024 (https://dst.gov.in/innovation-development-centre-idc-jncasr-and-hemavathi-hostel-cens-bengaluru-inaugurated)
- *पत्र सूचना कार्यालय*, 5 जुलाई 2024 (https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2030963)

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान समझौता

JNCASR और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, राजस्थान के बीच एक सहयोगात्मक अनुसंधान समझौते पर हस्ताक्षर और विनिमय 21 अगस्त 2024 को आयोजित किया गया था। यह समझौता ज्ञापन NCU में डॉ. प्रेमकुमार सेंगुट्टुवन और उनकी टीम के अनुसंधान कार्य पर आधारित है। प्रो. सेंगुट्टुवन के समूह ने जिंक आधारित बैटरियों में मजबूत अनुसंधान आधार बनाया है, जिसके कारण इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण उन्नतियाँ हुई हैं।

समाचार स्त्रोत:

- *प्रेस सूचना ब्यूरो*, 22 अगस्त 2024 (https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2047647)
- *DST*, 22 अगस्त 2024 (https://dst.gov.in/jncasr-partners-hzl-scale-indigenous-zn-ion-battery-technologies)
- हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड द्वारा *ट्विटर* पोस्ट, 22 अगस्त 2024 (https://in.investing.com/news/hindustan-zinc-jncasr-partner-for-newage-zincbased-battery-technology-4395616)
- द हिंदू , 26 अगस्त 2024 (https://bit.ly/3AFQsFn)

JNCASR ने टाटा आनुवंशिकी व संघ संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

विशिष्ट उद्देश्यों और वितरणीय/हस्तांतरणीय के साथ दुर्लभ आनुवंशिक विकारों और संक्रामक रोगों पर संयुक्त अनुसंधान करने के लिए JNCASR में 22 अगस्त 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन, संपूर्ण समाज के लाभ के लिए दुर्लभ आनुवंशिक विकारों और संक्रामक रोगों के क्षेत्र में अग्रणी विकास लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रस्तुत करता है।

JNCASR ने टाटा आनुवंशिकी व संघ संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दाएं से बाएं: डॉ. वसंत दामोदरन, सीनियर साइंटिस्ट, जोयदीप देब, प्रशासनिक अधिकारी, डॉ. सुरभि श्रीवास्तव, सीएसओ, डॉ. रूना हामिद, सीनियर साइंटिस्ट, प्रो के आर श्रीनिवास, अधिसंकाय, अनुसंधान व विकास, प्रो तापस के कुंडू, MBGU, डॉ. राकेश कुमार मिश्रा, निदेशक, टीआईजीएस, प्रो जी यू कुलकर्णी, अध्यक्ष, JNCASR, प्रो रवि मंजिताया, MBGU, डॉ. पंकज गुप्ता, वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक और डॉ. के पन्नीर सेल्वम, समन्वयक, अनुसंधान व विकास और एफ एंड ई JNCASR और TIGS के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के दौरान ।

नव प्रसारण/संचरण विद्युदणु सूक्ष्मदर्शक का उद्घाटन

भारत रत्न प्रो सी एन आर राव ने 13 सितंबर 2024 को ICMS, JNCASR में एक नए ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (JEOL JEM F200) का उद्घाटन किया।

नए ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप का उद्घाटन

रासायनिक भौतिकी में अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

IISER, पुणे के प्रो. अंशुमान नाग और प्रो रंजनी विश्वनाथ, ICMS और NCU, JNCASR ने 25 सितंबर 2024 को JNCASR में आयोजित एक कार्यक्रम में रासायनिक भौतिकी में अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। प्रो. नाग ने *"शॉर्ट-वेव इन्फ्रारेड एमिटिंग हैलाइड पेरोवस्काइट्स"* पर व्याख्यान दिया और प्रो विश्वनाथ ने इस अवसर पर *"सेमीकंडक्टर नैनोक्रिस्टल: इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर, ऑप्टिक्स, मैग्नेटो-ऑप्टिक्स"* पर प्रस्तुतीकरण किया।

रसायन भौतिकी में अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करते हुए प्रो. अंशुमान नाग (बाएं)

CO_2 कार्बन प्रग्रहण और उपयोगिता पर जन-सम्पर्क कार्यक्रम

CoE जन-सम्पर्क इनिशिएटिव के हिस्से के रूप में, नेशनल सेंटर फॉर कार्बन कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन, JNCASR के सहयोग से, 19 अगस्त 2024 को जवाहर नवोदय विद्यालय, दोड्डबल्लापुर में एक जन-सम्पर्क कार्यक्रम आयोजित किया।

समाचार स्त्रोत:

- *SCP समूह द्वारा ट्विटर पोस्ट*, 19 अगस्त 2024 (rb.gy/qox8u4)

राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं के समारोह

31 अक्टूबर 2023 को शपथ ग्रहण करके **राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।**

31 अक्टूबर 2023 को आयोजित **खादी महोत्सव अभियान 2023,** 'वोकल फॉर लोकल' विषय पर केंद्रित था, और इसका उद्देश्य खादी और स्थानीय उत्पादों की लोकप्रियता को प्रोत्साहित करना था।

1 नवंबर 2023 को JNCASR के अध्यक्ष प्रो. जी यू कुलकर्णी द्वारा कर्नाटक के राज्य ध्वज को फहराने के साथ **कन्नड राज्योत्सव** मनाया गया।

3 नवंबर 2023 को CCRAS-CARI बेंगलूरू अनुसंधान दल द्वारा JNCASR में **8वां आयुर्वेद दिवस समारोह आयोजित** किया गया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान, चिकित्सा शिविर और औषधीय पौधों का वितरण जैसे आयोजन किए गए।

30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 तक **सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023**, मनाया गया। सतर्कता अधिकारी प्रो. कौस्तुव सान्याल द्वारा 30 अक्टूबर को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई।

26 जनवरी 2024 को देशभक्ति और बड़ी श्रद्धा के साथ केंद्र में **75वां गणतंत्र दिवस** मनाया गया।

28 फरवरी 2024 को *"विकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियाँ"* विषय पर **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** को मुक्त दिवस के रूप में मनाया गया। बेंगलूरू के 15 विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 500 विद्यार्थियों/शिक्षकों ने भाग लिया।

8 से 10 मार्च 2024 तक JNCASR में अंतर-संस्थान वॉलीबॉल टूर्नामेंट के साथ **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस** मनाया गया। केंद्र, IISc, RRI, IIA, NCBS और ICTS के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस रोमांचक फाइनल मैच में, IISc पुरुषों और महिलाओं की टीमों ने जीत हासिल की और दोनों श्रेणियों में JNCASR की टीमें उपविजेता बनीं।

जेएनसीएएसआर में अंतर-संस्थान वॉलीबॉल टूर्नामेंट की सभी टीमें

5 अप्रैल 2024 को एनजीओ संकल्प इंडिया फाउंडेशन के साथ साझेदारी में JNCASR में **रक्तदान अभियान** का आयोजन किया गया। लगभग 66 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जो थैलेसीमिया से पीड़ित रोगियों के लिए मददगार हो सकता है।

रक्तदान अभियान

भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, DST द्वारा **स्वच्छ भारत मिशन** के तहत, JNCASR ने 1 मई 2024 को स्वच्छता प्रतिज्ञा और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। यह प्रतिज्ञा अंग्रेजी और हिंदी में प्रो. एन एस विद्याधिराज, संकायाध्यक्ष, एफ एंड ई द्वारा और कन्नड में एम आर चंद्रशेखर, समन्वयक (सुरक्षा, कानूनी और कैंपस प्रबंधन) द्वारा दी गई थी।

जेएनसीएएसआर अधिकारियों द्वारा स्वच्छता शपथ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: 21 जून 2024 को JNCASR समुदाय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। पतंजलि के योग गुरु आनंद ने *"योग, स्वस्थ जीवन जीने में इसके लाभ और महत्व"* पर एक प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किया, जिसके बाद केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा योगासन का प्रदर्शन किया गया

जेएनसीएएसआर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दौरान व्याख्यान और योग प्रदर्शन

पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सुरक्षा पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम: 3 अगस्त 2024 को अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, और इसमें रसायन, विद्युत, लेजर, जैव सुरक्षा, और अग्नि और विकिरण सुरक्षा और अग्निशमन प्रदर्शन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण शामिल किए गए थे।

पर्यावरण स्वास्थ्य और सुरक्षा पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान प्रस्तुति

नए विद्यार्थियों के लिए एंटी-रैगिंग पर अभिमुखीकरण: 9 अगस्त 2024 को प्रो. एम ईश्वरमूर्ति, अधिसंकाय अकादमिक मामलों, JNCASR और डॉ. बिवास साहा, वार्डन, JNCASR द्वारा नए विद्यार्थियों के लिए एंटी-रैगिंग डे और एंटी-रैगिंग वीक के हिस्से के रूप में, एंटी-रैगिंग नीति और कैंपस में किसी भी प्रकार के उत्पीड़न पर एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

समाचार स्त्रोत:

- JNCASR द्वारा *ट्विटर* पोस्ट, 22 अगस्त 2024 (https://x.com/jncasr/status/1826578535739166811)

सामाजिक न्याय और सबलीकरण विभाग द्वारा आयोजित **'नशा मुक्त भारत अभियान'** के हिस्से के रूप में, एक देशव्यापी सामूहिक प्रतिज्ञा दिलाई गई, जिसका इस वर्ष का विषय *'विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र'* था। यह प्रतिज्ञा 12 अगस्त 2024 को JNCASR में प्रो. एन एस विद्याधिराज, संकायाध्यक्ष, एफ एंड ई द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में दिलाई गई थी। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष, JNCASR, प्रशासनिक अधिकारी, संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी और केंद्र के विद्यार्थी उपस्थित थे।

भारत ने 23 अगस्त 2024 को अपना पहला **राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस** मनाया, जिसका विषय *"चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत का अंतरिक्ष आख्यान"* था। इस दिन को मनाने के लिए कैंपस में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें पूरे परिसर में भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर एक वीडियो प्रस्तुति की डिजिटल डिस्प्ले स्क्रीनिंग को शामिल किया गया था। इसके अलावा, 14 अगस्त 2024 को एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था, जिसमें डॉ. बी आर गुरुप्रसाद, जवाहरलाल नेहरू तारामंडल, बेंगलूरू के निदेशक (पूर्व इसरो वैज्ञानिक) ने *"भारत के रोमांचक वैज्ञानिक अंतरिक्ष यान मिशन"* पर एक व्याख्यान दिया। उसी दिन एक विज्ञान जन-सम्पर्क कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था, जिसमें जवाहर नवोदय विद्यालय, बेंगलूरू के लगभग 180 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। 19 अगस्त 2024 को, ***"भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियाँ"*** विषय पर हिंदी और अंग्रेजी में एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

समाचार स्त्रोत:

JNCASR द्वारा *ट्विटर* पोस्ट, 23 अगस्त 2024 (rb.gy/8keiq6; rb.gy/u5ajbj; https://lnkfwd.com/u/L7t5TN51)

रैगिंग-विरोधी दृष्टिकोण हेतु उन्मुखीकरण

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 समारोह

15 अगस्त 2024 को **78वें स्वतंत्रता दिवस** समारोह का आयोजन किया गया। JNCASR के अध्यक्ष प्रो. जी यू कुलकर्णी ने केंद्र के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की उपस्थिति में जक्कूर परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिनमें सभी राष्ट्रगान गाने में शामिल हुए।

समाचार स्त्रोत:

- JNCASR द्वारा *ट्विटर* पोस्ट, 15 अगस्त 2024 (https://lnkfwd.com/u/L7uEIauC)

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान: स्वच्छ भारत मिशन के तहत भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, JNCASR ने स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2024 अभियान के हिस्से के रूप में कार्यक्रमों और गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर **2024** तक आयोजित किया गया था। 17 सितंबर 2024 को हिंदी, कन्नड और अंग्रेजी में स्वच्छता प्रतिज्ञा दिलवाई गई। 19 और 20 सितंबर को JNCASR मेन गेट और चोक्कनहल्ली मेन रोड के बाहर सार्वजनिक सड़क पर एक **मेगा स्वच्छता अभियान** आयोजित किया गया। स्कूली बच्चों के लिए 19 सितंबर **2024** को JNCASR में **स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम** आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में बेंगलूरू के पांच स्कूलों के 150 से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। 25 सितंबर 2024 को DST टीम के सदस्यों के साथ **वृक्षारोपण अभियान** आयोजित किए गए। स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए JNCASR में आयोजित सेल्फी पॉइंट पर एक फोटोशूट भी आयोजित किया गया था।

17 सितंबर 2024 को JNCASR में स्वच्छता प्रतिज्ञा आयोजित की गई

चोक्कनहल्ली रोड पर मेगा स्वच्छता अभियान

जक्कूर मेन रोड में मेगा स्वच्छता अभियान

स्कूली बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

नियुक्तियाँ और पदोन्नतियाँ

नई नियुक्ति-शिक्षण स्टाफ

- प्रो. अशोक मिश्रा, मानद प्रो.
- प्रो. रंगा उदय कुमार, रेसिडेंट मानद प्रो.
- प्रो. एच इला, 3 सालों की अवधि के लिए INSA के मानद वैज्ञानिक

नई नियुक्तियाँ — अनुसंधान सहयोगी

- डॉ. चंदन रामण्णा, NCU
- डॉ. गीतिका ढांडा, NCU
- डॉ. जयिता प्रधान, NCU
- डॉ. अस्वथी नारायणन, MBGU
- डॉ. मंज़ूर अहमद, CPMU
- डॉ. ज्योत्सना फुकॉन, NCU
- डॉ. मधु आर., NCU
- डॉ. अबू सूफियान, NCU
- डॉ. पंकज शर्मा, MBGU
- डॉ. वागलगवे सोपान महादेव, NCU
- डॉ. अमर घोष, NCU
- डॉ. अंशु कटारिया, CPMU
- डॉ. अलकानंद मैत्रा, EOBU
- डॉ. एम. विजयसारथी, NCBS
- डॉ. केडिया सिद्धिबेन बकुलभाई, NCU
- डॉ. केशव कुमार, NCU
- डॉ. मोमिन अहमद, CPMU
- डॉ. सूर्यकांता मिश्रा, NCU
- डॉ. मीनाक्षी पाहवा, CPMU
- डॉ. अनिंदिता गोस्वामी, NCU
- डॉ. के. श्रीराम, CPMU
- डॉ. अमीर मेहताब, NCU
- डॉ. रेस्मी वी. नायर, CPMU
- डॉ. सुमुख अनिल पुरोहित, CPMU
- डॉ. प्रशांत कुमार, CPMU
- डॉ. विपिन राज के., TSU
- डॉ. संदीप बिस्वास, CPMU
- डॉ. दीपांजन मैती, CPMU
- डॉ. सुबर्णा दास, NCU
- डॉ. सुप्रिया घोषाल, TSU
- डॉ. मंजुनाथ के., ICMS

नई नियुक्तियाँ — अनंतिम अनुसंधान सहयोगी

- अनिरुद्ध मिर्मिरा, TSU
- आरती बिष्ट, CPMU
- अवुला वेंकट शिवा निखिल, CPMU
- बिदेश बिस्वास, CPMU
- धीमाही, CPMU
- जमी प्रशांति, TSU
- मोनिका भाकर, NCU
- संदीप हॉवलैडर, NCU
- शादाब सैफ़ी, CPMU
- सिनय सिमंता बेहरा, CPMU

नई नियुक्तियाँ- अ-शिक्षण कर्मचारी

- अमृत ए. गौड, जूनियर एडमिन असिस्टेंट (18 जनवरी 2024 से लागू)
- आंडे अखिल, जूनियर एडमिन असिस्टेंट (2 फरवरी 2024 से लागू)
- अरुण डी., तकनीकी सहायक (1 मई 2024 से लागू)
- अरुण राधाकृष्णन, तकनीकी सहायक (12 मार्च 2024 से लागू)
- दुष्यंत चौधरी, जूनियर एडमिन असिस्टेंट (1 फरवरी 2024 से लागू)
- मानसा एम., जूनियर एडमिन असिस्टेंट (18 जनवरी 2024 से लागू)
- श्रीनिवास एम., जूनियर एडमिन असिस्टेंट (18 जनवरी 2024 से लागू)
- यदुनाथ के., जूनियर एडमिन असिस्टेंट (16 फरवरी 2024 से लागू)

नई नियुक्तियाँ — संविदात्मक

- डॉ. दयानंद बी एस, अनुभाग अधिकारी (19 अगस्त 2024 से लागू)
- डॉ. दिव्यश्री बारानिया, अतिथि प्रशिक्षक (1 दिसंबर 2023 से लागू)
- डॉ. आई. क्रिस्टियाना, अतिथि प्रशिक्षक (26 फरवरी 2024 से लागू)
- लावण्या के एन, केम एक्सपो की ट्रेनी केयरटेकर (1 जनवरी 2024 से लागू)
- डॉ. लावणया शिवषण्मुगम, अतिथि प्रशिक्षक (20 दिसंबर 2023 से लागू)
- डॉ. मेघा सिंघल , अतिथि प्रशिक्षक (6 नवंबर 2023 से लागू)
- नागराज बी एस, सलाहकार (स्थापना मामले) (5 फरवरी 2024 से लागू)
- डॉ. वरुणा एच पी, अतिथि प्रशिक्षक (17 फरवरी 2024 से लागू)

पदोन्नतियाँ (संकाय)

- डॉ. बानी कांता सरमा, NCU को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया (22 सितंबर 2023 से लागू)
- प्रो. टी एन सी विद्या, EOBU को एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया (14 सितंबर 2023 से लागू)

अधिवर्षिता

- ए श्रीनिवासन, अध्यक्ष के वरिष्ठ सचिव, गैर-शिक्षण कर्मचारी
- एच लिंगमूर्ति, सीनियर हेल्पर
- प्रो. रंगा उदय कुमार, MBGU, शिक्षण कर्मचारी
- वीणा मैया, सीनियर एडमिन असिस्टेंट

अतिरिक्त उत्तरदायित्व

- ए एन जयचंद्र, समन्वयक (विशेष परियोजनाएँ)'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के लिए नोडल अधिकारी के रूप में
- प्रो सुबीर के दास, TSU अगले आदेश तक TSU के अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे
- नबोनिता गुहा, वरिष्ठ पुस्तकालय व सूचना अधिकारी को विशेष अभियान 4.0 से संबंधित मामलों को संभालने के लिए नोडल व्यक्ति के रूप में नामित किया गया
- बसवराजु जी, सीनियर हाउस कीपर को केंद्र में यूपीएस यूनिट की निगरानी के लिए अतिरिक्त ज़िम्मेदारी सौंपी गई

गठित/पुनर्गठित की गईं समितियाँ

- एनपीएस निरीक्षण तंत्र समिति; अध्यक्ष: प्रो. संतोष अंसुमाली (30 मई 2024 से लागू)
- वेबसाइट प्रबंधन समिति; पुनर्गठित; अध्यक्ष: प्रो. संतोष अंसुमाली (30 मई 2024 से लागू)
- 2023-2024 के लिए पुस्तकालय की पुस्तकों/जर्नलों का वार्षिक प्रत्यक्ष स्टॉक सत्यापन; अध्यक्ष: प्रो. शीबा वासु (14 जून 2024 से लागू)
- समन्वयक (विशेष परियोजनाएँ) के पद के लिए आवेदनों की जांच करने के लिए समिति; अध्यक्ष: प्रो. के आर श्रीनिवास, अधिसंकाय, अनुसंधान और विकास (22 जुलाई 2024 से लागू)
- प्रशासनिक स्क्रीनिंग समिति; अध्यक्ष: प्रो. उमेश वी वाघमारे, संकाय कार्यों के अधिसंकाय (8 अगस्त 2024 से लागू)
- भारत सरकार की मानदंड समिति के साथ हवाई यात्रा बुकिंग; अध्यक्ष: प्रो. के. एस. नारायण (9 अगस्त 2024 से लागू)
- केंद्र में दूरसंचार सेवाओं की जांच करने के लिए समिति; अध्यक्ष: प्रो. प्रेमकुमार सेंगुट्टुवन (20 अगस्त 2024 से लागू)
- समन्वयक (PR) और समन्वयक (सुरक्षा, कानूनी और परिसर प्रबंधन) के पद के लिए आवेदनों की जाँच करने के लिए समिति; अध्यक्ष: प्रो. रंगा उदय कुमार (22 अगस्त 2024 से लागू)

आगंतुक वैज्ञानिक

- डॉ. देवल प्रसाद भट्टाराई, सहायक प्रोफेसर, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडु, नेपाल
- प्रो. प्रवीण बी. एम., श्रीनिवास विश्वविद्यालय, मंगलूरू
- डॉ. शिवानंद कुमार वीसम, एनआईटी-कालीकत

आगंतुक विद्यार्थी

- अनुषा ए., प्रौद्योगिकी संस्थान (MANIT) -भोपाल, मध्य प्रदेश
- कीर्तना, कण्णूर विश्वविद्यालय, केरल
- जोआन के किप्टरस, मोई विश्वविद्यालय, केन्या
- शौर्य शुक्ला, एनआईटी, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर
- विजय, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल

अनुसंधान की विशिष्टियाँ

नए विकसित किफायती रेडिएटिव पेंट इमारतों को ठंडा करने के लिए बिजली की खपत को कम कर सकते हैं

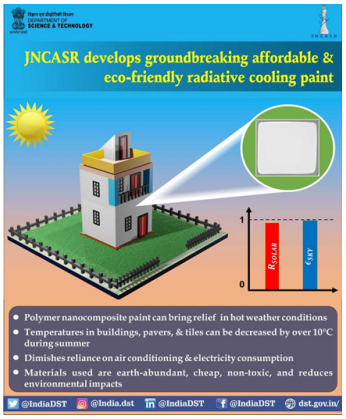

प्रो. बिवास साहा और उनकी अनुसंधान टीम के निष्कर्ष दर्शाते हैं कि निर्माण में MgO-PVDF कूलिंग पेंट के उपयोग से वातानुकूलन पर निर्भरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है, जिससे संबंधित पर्यावरणीय प्रभावों में कमी आती है। यह कार्य एडवांस्ड मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (doi: 10.1002/admt.202301174) में प्रकाशित हुआ है।

समाचार स्त्रोत:

- *DST विज्ञान समाचार,* 6 नवंबर 2023 , https://shorturl.at/niK0s
- *DST ट्विटर,* 6 नवंबर 2023 , https://shorturl.at/KqUG7
- *प्रेस सूचना ब्यूरो,* 6 नवंबर 2023, https://shorturl.at/U7GWc
- *प्रेस सूचना ब्यूरो ट्विटर,* 6 नवंबर 2023, https://shorturl.at/iEsg3

नवल क्वांटम-आधारित मॉडल का उपयोग करके नए पदार्थ को समझना

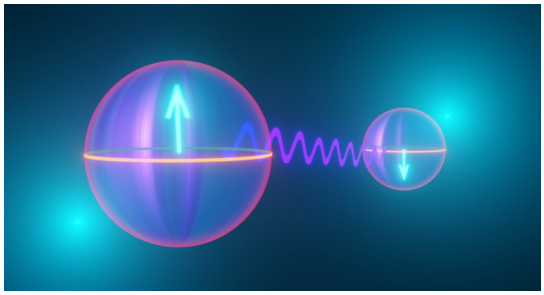

TSU के प्रो. एन एस विद्याधिराज और उनकी अनुसंधान टीम ने क्वांटम-आधारित मॉडल सिस्टम की पहचान की है, जो क्वांटम क्रांतिक बिंदु के नजदीक पदार्थों में असामान्य व्यवहारों को समझने में मदद कर सकता है और इसका इस्तेमाल उलझन और क्वांटम कंप्यूटिंग को समझने में किया जा सकता है। यह अनुसंधान कार्य *Phys. Rev. B* (doi: 10.1103/PhysRevB.107.205104) में प्रकाशित हुआ है।

समाचार स्त्रोत:

- *DST विज्ञान समाचार,* 13 फरवरी 2024, https://shorturl.at/OOJ4R

डेटा भंडारण का ऊर्जा-कुशल तरीका

प्रो. ए. सुंदरेसन और उनकी अनुसंधान टीम ने "MnBi 2 S 4" नामक एक नवल खनिज में चुंबकीय क्रमण के माध्यम से विद्युत ध्रुवीकरण की विशिष्ट क्रियाविधि की पहचान की। यह क्रियाविधि मैग्नेटोइलेक्ट्रिक युग्मन (मैग्नेटोइलेक्ट्रिक कपलिंग) में एक सफलता का प्रतिनिधित्व करती है और इसमें लेखन प्रक्रियाओं के दौरान ऊर्जा की खपत को कम करके डेटा भंडारण में क्रांति लाने की क्षमता है। इसके अतिरिक्त, ये निष्कर्ष सैद्धांतिक रूप से 'चार-अवस्था तर्क स्मृति प्रणालियाँ' (फोर-स्टेट लॉजिक मेमोरी सिस्टम) विकसित करने में मदद कर सकते हैं। यह कार्य *Phys. Rev. B* (doi: 10.1103/PhysRevB.109.024401) में प्रकाशित हुआ है।

समाचार स्त्रोत:

- *प्रेस सूचना ब्यूरो* , 16 फरवरी 2024, https://shorturl.at/o3MCb
- DST विज्ञान समाचार, 19 वें फरवरी 2024,https://shorturl.at/jDtkC

प्रो. ए. सुंदरेशन और उनकी टीम द्वारा विभिन्न तापमानों पर अध्ययन किए गए मैग्नेटोइलेक्ट्रिक मल्टीफेरोइक पदार्थ में तीन अलग-अलग चुंबकीय संरचनाएं

स्वच्छ इंधन की दिशा में भारत को आगे बढ़ाने में संलग्न

प्रो. सेबेस्टियन सी पीटर और उनकी टीम ने एक नए और अत्यधिक कुशल प्रकाशउत्प्रेरक (फोटोकैटलिस्ट) का संश्लेषण किया है, जो CO_2 को उच्च मूल्य वाले उत्पादों एथीन और एथिलीन में बदल सकता है। एक अन्य संबंधित अध्ययन में, समूह ने $CuGaS_2$ की वुर्ट्जाइट प्रावस्था का आसान संश्लेषण किया, जो CO_2 न्यूनीकरण अभिक्रिया के लिए एक फोटोकैटलिस्ट है। इन अध्ययनों को J. Am. Chem. Soc. (doi/10.1021/jacs.2c10351) में और Angew. Chem. Int. Ed. (doi/10.1002/anie.202216613) में प्रकाशित किया गया है। इन सफलताओं से देश के ऐसे पहले संयंत्र के विकास में मदद मिली है जो CO_2 को मेथनॉल में बदल सकता है।

समाचार स्त्रोत:

- *DST विज्ञान समाचार,* 6 मार्च 2024, https://shorturl.at/zEGwK
- *भास्कर लाइव,* 7 मार्च 2024, https://shorturl.at/ptVQa
- *द हिंदू,* 14 मार्च 2024, https://shorturl.at/Kbnk7

नवल पदार्थ जो कुशल ऊर्जा रूपांतरण का आश्वासन देता है

प्रो. कनिष्क बिस्वास और NCU की उनकी अनुसंधान टीम ने एक ऐसे पदार्थ का संश्लेषण किया है, जो कांच और धातु दोनों के गुणों को प्रदर्शित करता है और विद्युत संयंत्रों में औद्योगिक प्रक्रियाओं, घरों और वाहनों के निकास जैसे स्रोतों से निकलने वाली अपशिष्ट ऊष्मा को कुशलतापूर्वक विद्युत में परिवर्तित कर सकता है। यह अनुसंधान Adv. Mater (doi/10.1002/adma.202307058) में प्रकाशित हुआ है।

चित्र: (बाएं) एक स्टॉक इमेज, (दाएं) प्रो. कनिष्क बिस्वास और उनकी अनुसंधान टीम

समाचार स्रोत:

- *DST विज्ञान समाचार*, 6 मार्च 2024, https://shorturl.at/GPnRm
- *डेक्कन हेराल्ड*, 7 मार्च 2024, https://shorturl.at/VLCPp
- *@IndiaDST का ट्वीट*, 11 मार्च 2024, https://shorturl.at/LCcRY

नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लिए संकर पेरोव्स्काइट्स में संरचनात्मक पारगमन को स्पष्ट करना

भारत रत्न प्रो. सी एन आर राव, डॉ. प्रताप विश्नोई और उनकी अनुसंधान टीम ने बदलते तापमान और दबाव और प्रकाश-इलेक्ट्रॉनिक (ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक) गुणधर्मों पर उनके परिणामी प्रभावों के कारण लेड आयोडाइड पेरोव्स्काइट्स की प्रत्येक प्रावस्था संक्रमण में होने वाली सटीक परमाणु पुनर्व्यवस्थाओं का पता लगाया। टीम ने उपयोग की जाने वाली प्रयोगात्मक पद्धतियों पर ध्यान देने के साथ रिपोर्ट किए गए प्रावस्था संक्रमणों और क्रिस्टल संरचनाओं पर 100+ प्रकाशनों की समीक्षा की। यह समीक्षा *J. Mater. Chem. A* (doi/10.1039/D3TA05315F) में प्रकाशित हुई है।

समाचार स्रोत:

- *प्रेस सूचना ब्यूरो*, 11 मार्च 2024, https://shorturl.at/5y7tz
- *DST विज्ञान समाचार*, 11 मार्च 2024, https://shorturl.at/8hMwE
- *@IndiaDST का ट्वीट*, 13 मार्च 2024, https://twitter.com/IndiaDST/status/1767782282297848086

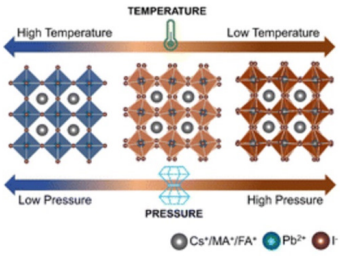

(बाएं) डॉ. प्रताप विश्नोई और प्रो सी एन आर राव; (दाएं) इस समीक्षा में आयोडाइड पेरोव्स्काइट्स के संभावित प्रावस्था पारगमन को समझने का प्रयास किया गया है। छवि स्रोत: जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए

MVB- आधारित 2D पदार्थ के रासायनिक अभिकल्प में नई अंतर्दृष्टि

प्रो. यू. वाघमारे और प्रो. सी.एन.आर. राव की प्रयोगशाला में किए गए काम ने अधिसंयोजक बंध (MVB) से जुड़े ग्रुप IV चाल्कोजेनाइड सैंधव लवण मणिभ के विशिष्ट गुणों और बॉण्डिंग प्रकृति के बारे में अभूतपूर्व अंतर्दृष्टि प्रदान की। नए अध्ययन से बेहतर ऊर्जा संचयन और विद्युत उत्पादन के लिए MVB - आधारित 2D पदार्थ और उनके विषम संरचना को डिजाइन करने के रास्ते खुलते हैं। यह अनुसंधानकार्य *Angew. Chem. Int. Ed.* (doi: 10.1002/anie.202313852) में प्रकाशित हुआ था।

समाचार स्रोत:

- *DST*, 20 जून 2024 (https://dst.gov.in/scientists-provide-groundbreaking-insights-new-class-materials-energy-harvesting-and-power)
- *प्रेस सूचना ब्यूरो*, 20 जून 2024 (https://pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2027008)
- *द हिंदू बिज़नेस लाइन*, 23 जून 2024 (https://www.thehindubusinessline.com/business-tech/incipient-metals/article68323991.ece)

ब्लड शुगर (रुधिर शर्करा) के स्तर को नियंत्रण में रखने के लिए एक कुशल प्रणाली

बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री लेबोरेटरी, NCU के प्रो. टी गोविंदराजू और उनकी टीम ने पहले से विकसित निष्क्रिय इंसुलिन रिलीज सिस्टम पर काम किया, जो सिल्क प्रोटीन फाइब्रोइन का उपयोग करता है, फाइब्रोइन को संशोधित करके एक कुशल स्मार्ट सिस्टम बनाने के लिए जो रक्त में ग्लूकोज के स्तर की प्रतिक्रिया में इंसुलिन छोड़ता है। यह अनुसंधानकार्य *ACS Appl. Mater. Interfaces* (doi: 10.1021/acsami.3c07060) में प्रकाशित किया गया है।

समाचार स्रोत:

- *DST विज्ञान समाचार*, 19 मार्च 2024, https://shorturl.at/N3SSt
- *डीडी न्यूज़*, 19 मार्च 2024, https://shorturl.at/hD4Yi
- *द टाइम्स ऑफ़ इंडिया*, 20 मार्च 2024, https://shorturl.at/Cv5Hl
- *द हिंदू* , 21 मार्च 2024, https://shorturl.at/TQ5JR
- *DST* , 12 जुलाई 2024 (https://dst.gov.in/scientists-develop-pancreas-mimicking-system-responsive-insulin-delivery-diabetes-treatment#)
- *DST द्वारा ट्विटर पोस्ट*, 12 जुलाई 2024 (https://x.com/IndiaDST/status/1811683107398943171)

अकादमिक गतिविधियाँ

अनुसंधान हेतु प्रवेश

मध्य - वर्ष प्रवेश (जनवरी सत्र 2024)

पी.एचडी./एम.एस. (इंजीनियरिंग) के लिए प्राप्त ऑनलाइन आवेदन/ एम.एस. (अनुसंधान) कार्यक्रम

18 अक्टूबर 2023 से 14 नवंबर 2023

360 कुल आवेदन → 160 चयनित उम्मीदवार

हाइब्रिड मोड में आयोजित प्रवेश हेतु साक्षात्कार

29 नवंबर 2023 से 22 दिसंबर 2023

18 प्रस्तुत किए गए प्रवेश → 12 नए रूप से सम्मिलित

75% महिलाएँ

नियमित प्रवेश (अगस्त सत्र 2024)

ऑनलाइन लिखित परीक्षाएं

28अप्रैल 2024 (रसायन विज्ञान में एमएससी और इंट. पीएच.डी. केमिकल साइंस प्रोग्राम) 4 मई 2024 (इंट. पीएच.डी. बायोलॉजिकल साइंस)

2276 कुल आवेदन → 1001 चयनित किए गए उम्मीदवार

प्रवेश साक्षात्कार

13 मई 2024 से 21 जून 2024

150 प्रस्तुत किए गए प्रवेश → 118 नए रूप से सम्मिलित

54% महिलाएं

प्रदत्त उपाधियाँ (22 सितंबर 2023, 17 मई 2024 और 27 सितंबर 2024 को)

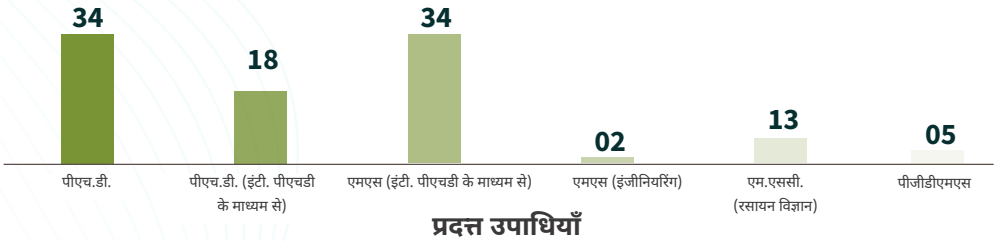

106

प्रदत्त उपाधियाँ

अध्यापित पाठ्यक्रम (पाठ्य)

जनवरी – अप्रैल की अवधि 40

अगस्त - दिसंबर की अवधि 44

अकादमिक गतिविधियों की वर्तमान स्थिति और समय अनुसूची (2024)

- केंद्र में रिपोर्ट करने वाले सभी नए प्रवेशित छात्र
- स्वागत और उन्मुखीकरण कार्यक्रम 9 अगस्त 2024 को आयोजित किया गया था, जिसमें 126 छात्रों ने भाग लिया
- जनवरी 2025 के लिए मध्य - वर्ष प्रवेश की घोषणा अक्टूबर 2024 में की गई थी

नामांकित विद्यार्थियों का सारांश (27 सितंबर 2024 तक)

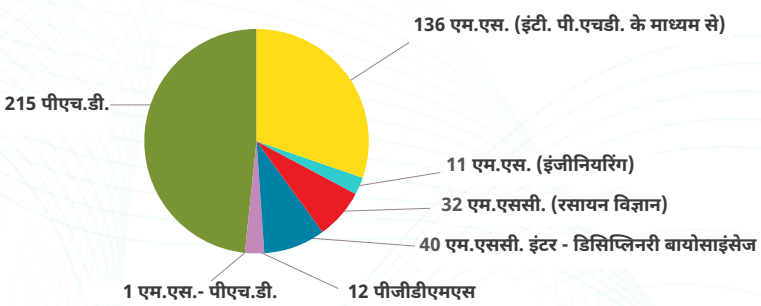

447

पुरस्कार और उपलब्धियाँ

संकाय सदस्यों द्वारा पुरस्कार और प्रशंसाएँ

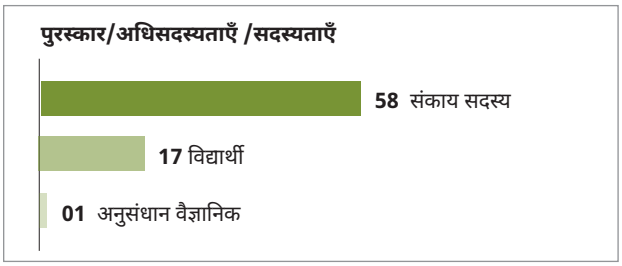

प्रो. ए. सुंदरेसन

- सी एन आर राव शिक्षा प्रतिष्ठान (संस्थापन) द्वारा दान की गई JNCASR की रजत जयंती प्रोफेसरशिप प्राप्त की।

डॉ. अचिरा रॉय

- अगस्त 2024 में अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन द्वारा IBRO अर्ली करियर पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।
- EMBO ग्लोबल एक्टिविटीज़, जर्मनी द्वारा EMBO प्रयोगालीय नेतृत्व पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया।
- DST- SERB, भारत द्वारा संगोष्ठी/सम्मेलनों के लिए SERB अनुदान से सम्मानित किया गया।

डॉ. आनंद कृष्णन

- मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय व्यावहारिक पारिस्थितिकी संघ के 2024 सम्मेलन में भाग लेने के लिए यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया।
- जैविक विज्ञान विभाग, TIFR, मुंबई के 2024 के वार्षिक व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता।

प्रो. चंद्रभास नारायण (पुनर्ग्रहणाधिकार के साथ)

- डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम अध्ययन केंद्र, तिरुवनंतपुरम से ए. पी. जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रीय पुरस्कार, 2024 प्राप्त किया।
- चिरंतन रसायन संस्था से CRS स्वर्ण पदक 2024 जीता।
- भारतीय प्रकाश जीव विज्ञान संघ से सर सी. वी. रामन स्मारक विज्ञान दिवस व्याख्यान पुरस्कार 2023 प्राप्त किया।

प्रो. सी. एन. आर. राव

- हिंदु अनुसंधान संस्थापन (प्रतिष्ठान) 2024 से नागार्जुन पुरस्कार जीता।
- 3 जनवरी 2024 को स्कूल चंदन, लक्ष्मेश्वर, गदग, कर्नाटक से 'चंदन रत्न' पुरस्कार प्राप्त किया।
- भारतीय अर्थव्यवस्था के अंतर्क्रियात्मक मंच *(IFIE) द्वारा कर्नाटक राज्य में संपोषणीय नवोन्मेष और विज्ञान के क्षेत्र में ' कर्नाटक परिवर्तन के विजेता'* की मान्यता प्राप्त की।
- भारतीय रासायनिकी संघ की ओर से *'शताब्दी के रसायनज्ञ' पुरस्कार प्राप्त* किया।

प्रो. जी यू कुलकर्णी

- बेंगलुरु इंडिया नैनो नवोन्मेष पुरस्कार, 2024 प्राप्त किया (CeNS और सेंट गोबेन रिसर्च इंडिया के सहकर्मियों के साथ संयुक्त रूप से)।
- केएल विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित।

प्रो. एच इला

- 3 वर्षों की अवधि के लिए INSA मानद वैज्ञानिक पद प्राप्त किया।

प्रो. जयंत हल्दर

- भारतीय पदार्थ अनुसंधान संघ (MRSI) से MRSI पदक प्राप्त किया।

प्रो. कनिष्क बिस्वास

- चिरंतन रसायन संस्था (CRS) से अनुसंधान और नवोन्मेष उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 प्राप्त किया।

प्रो. कौस्तुव सान्याल

- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा वर्ष 2022 के लिए जैविक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता के लिए जी एन रामचंद्रन स्वर्ण पदक से सम्मानित।

प्रो. के. एन. गणेश

- चिरंतन रसायन संस्था (CRS) से जीवनपर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार 2023 प्राप्त किया।
- वर्ष 2025 के लिए CRSI स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रो. के. एस. नारायण

- IIT मुंबई के प्रतिष्ठित आगंतुक प्रोफेसर (2024—2026)।

प्रो. राजेश गणपति

- 2 वर्षों की अवधि के लिए रामन अनुसंधान संस्थान के सहायक संकाय सदस्य।

प्रो. रंजनी विश्वनाथ

- मई 2024 में रासायनिक भौतिकी पुरस्कार में C. N. R. राव राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।

प्रो. एस बालसुब्रमण्यम

- रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई से रसायन विज्ञान में उनके योगदान के लिए प्रो. ए. के. चंद्रा स्मारक पुरस्कार प्राप्त किया ।

प्रो. सेबेस्टियन सी. पीटर

- पदार्थ विज्ञान वार्षिक पुरस्कार 2023 प्राप्त किया।
- ब्रीद एप्लाइड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के लिए राष्ट्रीय नवोद्यम पुरस्कार 2023 जीता।
- अंतर्राष्ट्रीय उन्नत पदार्थ संघ (IAAM) वैज्ञानिक पदक प्राप्त किया।
- हरियाणा के कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए, रसायन विज्ञान श्रेणी में युवा वैज्ञानिकों के लिए राजीब गोयल पुरस्कार के लिए चयनित।
- चिरंतन रसायन संस्था (CRS) पुरस्कार 2023 में अनुसंधान साझेदारी और उद्योग कार्य-परिवर्तनीय पदक प्राप्त किया।

प्रो. शोभना नरसिम्हन

- म्यूनिख के तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा *"TUM वैश्विक राजदूत"* के रूप में नियुक्त किया गया।
- कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई डेस्क डायरी *"विज्ञान की वीरांगना"* में प्रदर्शित।

प्रो. श्रीकांत शास्त्री

- गौटिंगेन विज्ञान एवं मानविकी अकादमी, जर्मनी द्वारा 2024 में गॉस-प्रोफेसरशिप से सम्मानित किया गया।
- IIT बंबई के रासायनिकी अभियांत्रिकी विभाग में प्रतिष्ठित आगंतुक प्रोफेसर।

प्रो. सुबी जे. जॉर्ज

- चिरंतन रसायन संस्था (CRS) पुरस्कार 2023 में अनुसंधान और नवोन्मेष उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।
- प्रो. सी एन आर राव वक्तृता पुरस्कार 2024 जीता।

प्रो. स्वपन के पति

- 2 वर्षों की अवधि के लिए IISER, कोलकता में सहायक अनुसंधान प्रो.
- अनुसंधान और अकादमिक परिषद के सदस्य और INST, मोहाली के मानद आगंतुक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त (2024—2027)।
- IIT बंबई के विशिष्ट आगंतुक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त (2024—2025)।

प्रो. टी गोविंदराजु

- 'कार्यात्मक एवं माडी सदृश रोग' के रासायनिक जीव विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2022 का VASVIK पुरस्कार प्राप्त किया, जो विविधलक्षी औद्योगिक संशोधन विकास केंद्र (VASVIK) द्वारा प्रदान किया गया।

प्रो. उमेश वी वाघमारे

- केमिकल रसायन संस्था से CRS स्वर्ण पदक 2024 जीता।

अधिसदस्यताएँ और सदस्यताएँ

प्रो. अमिताभ जोशी

- 1 जनवरी 2024 से तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए IASC पत्रिका संवाद: विज्ञान, विज्ञानी व संघ/समाज के मुख्य संपादक।

प्रो. सी एन आर राव

- अंतर्राष्ट्रीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान 2024 के प्रतिष्ठित अधिसदस्य।

प्रो. जी यू कुलकर्णी

- IISER बेर्हामपुर के अधिसभा सदस्य।
- रॉयल सोसाइटी ऑफ़ केमिस्ट्री की अधिसदस्यता, 2024।

प्रो. हेमलता बलराम

- 1 जून 2024 से 31 मई 2027 तक विज्ञान अकादमी शिक्षा पैनल के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. जयंत हल्दर

- भारतीय विज्ञान अकादमी के अधिसदस्य।

प्रो. के. एस. नारायण

- *सिंथेटिक मेटल्स* के संपादकीय मंडल के सदस्य।
- DST-SAIF के विशेषज्ञ सदस्य

डॉ. कुशाग्र बंसल

- जैविकीय रसायनज्ञ संघ (भारत) की सदस्यता।

प्रो. राजेश गणपति

- भारतीय विज्ञान अकादमी के अधिसदस्य।

प्रो. रंजनी विश्वनाथ

- जनवरी 2024 से नैनो फ्यूचर्स के कार्यकारी संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

प्रो. एस बालसुब्रमण्यम

- दो वर्षों के लिए एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, चेन्नई की विश्वविद्यालय अनुसंधान परिषद के विशेषज्ञ सदस्य।

प्रो. सेबेस्टियन सी. पीटर

- भारतीय विज्ञान अकादमी के अधिसदस्य।

प्रो. श्रीकांत शास्त्री

- रॉयल सोसाइटी वोल्फसन की आगंतुक अधिसदस्यता 2024।

प्रो. तापस के माजी

- विली वीसीएच द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित रसायन विज्ञान पत्रिका, एंजवेंडटे केमी के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

प्रो. उमेश वी. वाघमारे

- अमेरिकी रासायनिक संघ की पत्रिका (जर्नल ऑफ़ अमेरिकन केमिकल सोसाइटी) (2024) के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य
- *मटेरियल्स टुडे (2024)* के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य

अनुसंधान वैज्ञानिकों से प्राप्त पुरस्कार

- **डॉ. जयश्री सनवाल भट्ट** को क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र देहरादून, उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा "SHE FOR STEM" पुरस्कार मिला।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- **अद्रिजा घोष** (समेकित पीएचडी की छात्रा, NCU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. तापस के. माजी) ने डेनवर में आयोजित ACS फॉल, 2024 में अपनी प्रस्तुति (वर्चुअल मोड) के लिए अत्युत्तम व्याख्यान पुरस्कार जीता। कोलोराडो।
- **अमित कुमार** (पीएचडी विद्यार्थी, MBGU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: डॉ. कुशाग्र बंसल) को THSTI फरीदाबाद में 15-17 फरवरी 2024 तक आयोजित वैश्विक रोग निरोधकता (प्रतिरक्षा) शीर्षसभा (ग्लोबल इम्यूनोलॉजी समिट) 2024 (GIS-2024) में सर्वश्रेष्ठ भित्तिचित्र (पोस्टर) और यात्रा पुरस्कार मिला।
- **अनिमेष भुई** (पीएचडी विद्यार्थी, NCU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. कनिष्क बिस्वास) ने अंतर्राष्ट्रीय तापविद्युत संघ (इन्टरनेशनल थर्मोइलेक्ट्रिक सोसाइटी) से स्नातक छात्र पुरस्कार जीता।
- **अंजना जोसफ** (पीएचडी की छात्रा, CPMU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. चंद्रभास नारायण) को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) वाराणसी में 5 वीं भारतीय पदार्थ निर्वाचिका सभा (इंडियन मटेरियल्स कॉन्क्लेव) में सर्वश्रेष्ठ भित्तिचित्र (पोस्टर) के लिए भारतीय पदार्थ अनुसंधान संघ पुरस्कार मिला।
- **अन्विता एस.** (एम.एस.-पीएचडी. विद्यार्थी, EOBU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. टी. एन. सी. विद्या) को संयुक्त रूप से 12 अगस्त 2024 को आयोजित मानव-हाथी संघर्ष प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दूसरा पुरस्कार मिला।
- **अथिरा टी. के.** (पीएचडी विद्यार्थी, EOBU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. टी. एन. सी. विद्या) ने ISBE कांग्रेस 2024, ऑस्ट्रेलिया में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यावहारिक पारिस्थितिकी संघ (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर बिहेवियरल इकोलॉजी) (ISBE) से एक यात्रा पुरस्कार जीता; प्राणी (पशु) व्यवहार अध्ययन संघ (एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ एनिमल बिहेवियर) से सम्मेलन उपस्थिति अनुदान जीता ताकि व्यावहारिक जैविकी (बिहेवियरल बायोलॉजी) पर यूरोपीय सम्मेलन, 2024 में अपना अनुसंधानकार्य प्रस्तुत कर सकें; और 12 अगस्त 2024 को आयोजित मानव हाथी संघर्ष प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **देबत्तम सरकार** (पीएचडी विद्यार्थी, NCU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. कनिष्क बिस्वास) को KPIT अनुसंधान सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध प्रबंध) से सम्मानित किया गया।
- **आइवी मारिया** (समेकित पीएचडी छात्रा NCU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. कनिष्क बिस्वास) ने TASME 2024, केनडा में अभियांत्रिकी में सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का पुरस्कार जीता।
- **पल्लवी चौबे** (समेकित पीएचडी छात्रा, MBGU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: डॉ. कुशाग्र बंसल) को 15-17 फरवरी 2024 तक टीएचएसटीआई, फरीदाबाद में आयोजित GIS-2024 में सर्वश्रेष्ठ भित्तिचित्र (पोस्टर) पुरस्कार मिला।
- **प्रेरणा मुरलीधर** (पीएचडी की छात्रा, MBGU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: डॉ. कुशाग्र बंसल) को 16 से 20 अप्रैल 2024 तक न्यूयॉर्क के कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लेबोरेटरी में आयोजित 'रोग प्रतिरोधकता प्रणाली में जीन प्रकटन एवं संकेतन' (जीन एक्सप्रेशन एंड सिग्नलिंग इन द इम्यून सिस्टम) बैठक में उपस्थित होने के लिए SERB से यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।
- **राहुल कुमार** (पीएचडी विद्यार्थी, CPMU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. ए सुंदरेसन) को अमेरिकी भौतिकी संघ द्वारा विशिष्ट विद्यार्थी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **रिद्धिमय पाठक** (पीएचडी विद्यार्थी, NCU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो कनिष्क बिस्वास) को स्ट्रासबर्ग, फ्रांस में आयोजित स्प्रिंग मीटिंग, 2024 के दौरान यूरोपीय पदार्थ अनुसंधान संघ से युवा अनुसंधानकर्ता पुरस्कार मिला।
- **सरवनन बी.** (पीएचडी विद्यार्थी, EOBU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: डॉ. आनंद कृष्णन) ने कंपनी ऑफ बायोलॉजिस्ट (जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी द्वारा प्रायोजित) से यात्रा अधिसदस्यता जीती; और डॉ. सुषमा रेड्डी, मिनेसोटा विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए अमेरिकी प्राकृतिक इतिहास वस्तु संग्रहालय (अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री), न्यूयॉर्क से फ्रैंक चैपमैन संग्रहात्मक अध्ययन अनुदान (कलेक्शंस स्टडी ग्रांट) जीता।
- **शुवा बिस्वास** (समेकित पीएचडी विद्यार्थी, NCU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो. कनिष्क बिस्वास) ने I-Hub प्रमात्रा (क्वांटम) प्रौद्योगिकी संस्थापन (क्वांटम टेक्नोलॉजी फाउंडेशन), IISER पुणे से चाणक्य अधिसदस्यता जीती।
- **सौमी मोंडल** (पीएचडी छात्रा NCU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो सेबेस्टियन सी पीटर) ने 5 वीं भारतीय पदार्थ निर्वाचिका सभा और एमआरएसआई, आईआईटी, बीएचयू के 34 वें एजीएम में सर्वश्रेष्ठ भित्तिचित्र (पोस्टर) पुरस्कार जीता।
- **सौरव रुद्र** (पीएचडी विद्यार्थी, ICMS; अनुसंधान पर्यवेक्षक: डॉ. बिवास साहा) ने कर्नाटक DST नैनोविज्ञान अधिसदस्यता पुरस्कार 2024 जीता।
- **थानिकोड़ी सी एम** (प्रायोजना सहयोगी II, EOBU; अनुसंधान पर्यवेक्षक: प्रो टी एन सी विद्या) ने 12 अगस्त 2024 को आयोजित मानव-हाथी संघर्ष प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रबंध प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार जीता।

अनुसंधान और विकास

समझौतों पर हस्ताक्षर

- 4 सितंबर 2023 को प्रो. सेबेस्टियन सी पीटर, JNCASR द्वारा सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एक सरकारी कंपनी), SCCL, तेलंगाना के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किया गया ।
- 11 जनवरी 2024 को प्रो. तापस के कुंडू द्वारा नाइपर-कोलकाता के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- 5 अप्रैल 2024 को प्रो. रवि मंजिताया द्वारा राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, हरियाणा के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- 7 जून 2024 को प्रो. रवि मंजिताया द्वारा हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज लिमिटेड, बेंगलूरू के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- 22 अगस्त 2024 को प्रो. रवि मंजिताया द्वारा TIGS, बेंगलूरू के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- 9 अगस्त 2024 को प्रो. कुशाग्र बंसल द्वारा बेंगलूरू के एस्टर अस्पतालों साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के साथ प्रो. सरित एस अगस्ती द्वारा 26 दिसंबर 2023 को एक समझौता ज्ञापन (MoA) पर हस्ताक्षर किया गया।
- *"ऑटोफैजिक फ्लक्स की गतिशीलता को बनाए रखने में अपरंपरागत मायोसिन की भूमिका को स्पष्ट करना"* नामक शीर्षक की एक परियोजना को कार्यगत करने के लिए प्रो. रवि मंजिताया द्वारा 30 मई 2024 को DBT के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- 27 फरवरी 2024 को प्रो. कुशाग्र बंसल द्वारा इम्यूनेल थेरेप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरू के साथ एक अप्रकटीकरण समझौते (NDA) पर हस्ताक्षर किया गया।
- 13 मई 2024 को प्रो. प्रेमकुमार सेंगुट्टुवन द्वारा एक्साइड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, कोलकाता के साथ एक NDA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 24 जून 2024 को प्रो. जयंती हलदर द्वारा माइक्रोविओमा प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरू के साथ एक NDA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 15 जुलाई 2024 को प्रो. प्रेमकुमार सेंगुट्टुवन द्वारा नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (NSTL), DRDO, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एक NDA पर हस्ताक्षर किया गया।

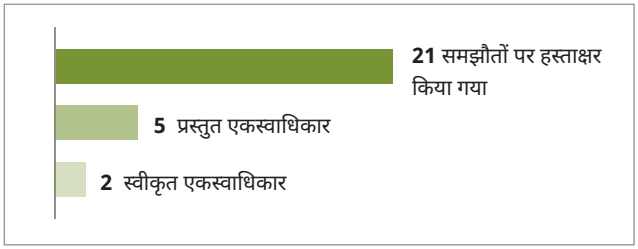

- 30 जुलाई 2024 को प्रो. रवि मंजिताया द्वारा फ्लोरोसाइट बायोप्रोब्स प्राइवेट लिमिटेड, गोवा के साथ एक NDA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 12 अगस्त 2024 को प्रो. रवि मंजिताया द्वारा साई लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ एक NDA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 22 अगस्त 2024 को प्रो. तापस के माजी द्वारा इंगरसोल-रैंड टेक्नोलॉजीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरू के साथ एक NDA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 17 सितंबर 2024 को प्रो. संतोष अंसुमाली द्वारा हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL), उदयपुर, राजस्थान के साथ एक NDA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 23 फरवरी 2024 को प्रो. सेबेस्टियन सी पीटर द्वारा टाटा स्टील लिमिटेड, मुंबई के साथ एक अनुसंधान समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।
- "मध्य-तापमान उष्णता को विद्युत में परिवर्तन करने हेतु उच्च निष्पादन Pb-मुक्त, P प्रकारी घन आकारी धातु टेलुराइड ऊष्मविद्युतीय पदार्थों के संश्लेषण" शीर्षक वाली परियोजना को कार्यगत करने हेतु टाटा स्टील लिमिटेड, जमशेदपुर के साथ एक अनुसंधान समझौते पर हस्ताक्षर प्रो. कनिष्क बिस्वास द्वारा 26 मार्च 2024 को किया गया।
- 16 अक्टूबर 2023 को प्रो. तापस के कुंडू द्वारा राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता (NIPER-कोलकाता) के साथ एक सहयोगात्मक अनुसंधान समझौते (CRA) पर हस्ताक्षर किया गया।
- 11 फरवरी 2024 को प्रो. कुशाग्र बंसल द्वारा नाइपर-कोलकाता

के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान समझौते (CRA) पर हस्ताक्षर किया गया।

- प्रो. तपस के. कुंडू द्वारा 8 मई 2024 को आरजीसीबी, तिरुवनंतपुरम के साथ एक सहयोगात्मक अनुसंधान समझौते (CRA) पर हस्ताक्षर किया गया, जिसका उद्देश्य कड्डीपुडी चबाने वाली तंबाकू सेवन की अभ्यस्त महिलाओं में मुख कैंसर के आनुवंशिक और पश्चजननीय कारकों का अध्ययन करना है।
- 20 मई 2024 को प्रो. तापस के माजी द्वारा आवश्यकतानुसार विश्लेषण, परीक्षण और उत्पादन करने के लिए उपयुक्त धातु जैविक ढाँचे (एमओएफ) पदार्थों के अभिकल्प, विकास और उत्पादन के लिए क्लाइमेट ईटीसी टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरू के साथ एक CRA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 26 जून 2024 को डॉ. श्वेता शिवप्रसाद द्वारा "फ्लेविवायरस के खिलाफ यौगिकों का प्रतिविषाणुवीय अनुवीक्षण" नामक अनुसंधान परियोजना पर सहयोग करने के लिए फाउंडेशन फॉर नेगलेक्टेड डिजीज रिसर्च (FNDR), बेंगलूरू के साथ एक CRA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 26 जून 2024 को प्रो. एन एस विद्याधिराज द्वारा कॉम्प्लेक्स एडेप्टिव मैटर (ICAM) संस्थान में सदस्यता स्थापित करने के लिए सहयोग करने हेतु JNCASR, IISc, ICTS, RRI और NCBS के बीच एक महासंघ समझौता किया गया था ।
- 18 जुलाई 2024 को प्रो. सेबेस्टियन सी पीटर द्वारा ऊर्जा और संपोषणीयता के व्यापक क्षेत्र में JNCASR और राइस विश्वविद्यालय में संकाय समूहों के बीच संयुक्त अनुसंधान सहयोग प्राप्त करने के लिए विलियम मार्श राइस विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक CRA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 3 अगस्त 2024 को प्रो. प्रेमकुमार सेंगुट्टुवन द्वारा ZN-आयन बैटरी के लिए उपयुक्त ZN-आधारित धनाग्र व विद्युत अपघट्य पदार्थ के संश्लेषण, विकास, अध्ययन और परीक्षण के लिए हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर के साथ एक CRA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 12 अगस्त 2024 को प्रो. बिवास साहा द्वारा उच्च परावर्तन और उत्सर्जन गुणों वाले कुछ बहुलक के साथ विकिरणीय पेंट की अभिकल्पना करने और विकसित करने के लिए क्लाइमेट ईटीसी टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरू के साथ एक CRA पर हस्ताक्षर किया गया।
- 19 जुलाई 2024 को प्रो. ईश्वरमूर्ति द्वारा, JNCASR और ICAR-NBAIR द्वारा सह-विकसित प्रौद्योगिकी अर्थात् "सेमिओकेमिकल्स के वितरण हेतु नियंत्रित रिलीज डिस्पेंसर" के हस्तांतरण के लिए JNCASR, ICAR-NBAIR और कृषि विकास सहकारी समिति लिमिटेड, हरियाणा के बीच एक त्रिपक्षीय जानकारी लाइसेंस समझौते को कार्यान्वित किया गया।
- 1 नवंबर 2023 को प्रो. के एस नारायण द्वारा मैसर्स हबरोमेगा प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरू के साथ एक बौद्धिक संपत्ति लाइसेंस और शेयर हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।
- 1 दिसंबर 2023 को प्रो. तापस के माजी द्वारा मैसर्स वाटसन एनवायरोटेक प्राइवेट लिमिटेड, तमिलनाडु के साथ एक अनुसंधान एवं विकास अनुसंधान समर्थन समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।

अनुसंधान एवं विकास दलों का आगमन

निम्नलिखित संस्थानों की अनुसंधान और विकास टीमों ने संभावित सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं और वित्त पोषण के अवसरों पर चर्चा करने के लिए केंद्र का दौरा किया:

- ITC, बेंगलूरू का अनुसंधान व विकास दल
- वाटसन एनविरोटेक प्राइवेट लिमिटेड, तमिलनाडु का अनुसंधान व विकास दल
- टाटा स्टील, चेन्नई का अनुसंधान व विकास दल
- इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर एप्लाइड मैथमेटिक्स के बारे में चर्चा करने के लिए CNRS प्रतिनिधि के साथ बैठक
- धेया इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (धेयाटेक), बेंगलूरू का अनुसंधान व विकास दल
- डॉ. वामसी कृष्णा देवबाती, गूगल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर
- रानोर, संयुक्त अरब अमीरात
- क्लाइमेट ईटीसी टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (ट्रैन टेक्नोलॉजीज), बेंगलूरू
- दानहेर (C CAMP)
- कृषि विकास सहकारी समिति लिमिटेड (KVSSL), हरियाणा
- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL), उदयपुर / राजस्थान
- टोकियो इलेक्ट्रॉन थिन फिल्म अनुसंधान व विकास
- JIS विश्वविद्यालय, कोलकाता
- TIGS, बेंगलूरू
- टोक्यो इलेक्ट्रॉन लिमिटेड (TEL), जापान
- डरहम विश्वविद्यालय

बौद्धिक संपत्ति

स्वीकृत एकस्वाधिकार

भारत

- प्रो. तापस कुमार माजी और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित एक एकस्वाधिकार (संख्या 476612) " सेल्फ-क्लीनिंग नैनोस्केल धातु-कार्बनिक ढांचे और उनको तैयार करने की प्रक्रिया" पर केंद्रित है।
- प्रो. के. एस. नारायण और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित "सोलर सेल आकलन की विधि और प्रणाली" के लिए एकस्वाधिकार (संख्या 478362)।
- प्रो. प्रेमकुमार सेंगुट्टुवन द्वारा विकसित "स्थलाकृतिक रासायनिक बॉटम-अप प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन" से संबंधित एकस्वाधिकार (संख्या 482649)।
- प्रो. सरित शेखर अगस्ती और अनुसंधान टीम द्वारा विकसित "डायनेमिक होस्ट-गेस्ट इंटरैक्टिव सिस्टम" के लिए एकस्वाधिकार (संख्या 504815)।
- प्रो. गोविंदराजू तिम्मय्या और सहयोगियों द्वारा विकसित " लघु आणविक प्रोब, संबंधित प्रक्रियाएं और अनुप्रयोग" के लिए एकस्वाधिकार (संख्या 544000)।
- प्रो. बिवास साहा और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित "कृत्रिम सिनैप्टिक उपकरण" के लिए एकस्वाधिकार (संख्या 532159)।

प्रस्तुत एकस्वाधिकार आवेदन

भारत, अनंतिम

- प्रो. सेबेस्टियन चिरंबट्टे पीटर और उनके सहयोगी। । (संख्या 202341079163, 21 नवंबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. जयंत हल्दर और उनके सहयोगी। (संख्या 202341083890, 8 दिसंबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. तापस के माजी और उनके सहयोगी। (संख्या 202441020616, 19 मार्च 2024 को प्रस्तुत)
- प्रो. जयंत हल्दर और उनके सहयोगी। (संख्या 202441044869, 10 जून 2024 को प्रस्तुत)
- प्रो. सेबेस्टियन चिरंबट्टे पीटर और और उनके सहयोगी। (संख्या 202441057080, 26 जुलाई 2024 को प्रस्तुत)
- प्रो. उमेश वाघमारे और उनके सहयोगी। (संख्या 202441059434, 6 अगस्त 2024 को प्रस्तुत)

भारत, पूर्ण

- प्रो. ईश्वरमूर्ति मुत्तुसामी और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"एन इलेक्ट्रोड कम्पोजिट और उसकी प्रोसेस"* (संख्या 202341066630, 4 अक्टूबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. गिरिधर उडुपी राव कुलकर्णी और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"एक इलेक्ट्रोक्रोमिक डिवाइस, एक एनोड और उसकी प्रक्रियाएँ"*। (संख्या 202341090016, 29 दिसंबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. प्रेमकुमार सेंगुट्टुवन और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"एक नासिकॉन-प्रकारी धनाग्र सक्रिय पदार्थ और उसकी प्रक्रियाएँ"*। (संख्या 202441015484, 1 मार्च 2024 को प्रस्तुत)

अंतरराष्ट्रीय, पीसीटी

- प्रो. जेम्स प्रेमदास क्लेमेंट चेल्लय्या और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"मिर्गी के उपचार के लिए एक विधि"*। (संख्या PCT/IN2023/051224, 26 दिसंबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. बिवास साहा और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"विकिरणीय शीतलन के लिए एक बहुलक नैनो-सम्मिश्र (पॉलिमर नैनो-कम्पोजिट)"*।
- (संख्या PCT/IN2024/050777, 12 जून 2024 को प्रस्तुत)

जारी...

प्रस्तुत एकस्वाधिकार आवेदन

राष्ट्रीय स्तर, संयुक्त राज्य अमेरिका

- प्रो. जेम्स प्रेमदास क्लेमेंट चेल्लय्या और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"इंडिरुबिन कम्पाउंड्स और उनके मेथड्स"*। (संख्या 18/557,800, 27 अक्टूबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. जेम्स प्रेमदास क्लेमेंट चेल्लय्या और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"6बायो के घुलनशील समरूप एवं उनका अनुप्रयोग"*। (संख्या 18/557,822, 27 अक्टूबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. तापस के कुंडू और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"एक दुर्लभ हिस्टोन रूपांतरण को लक्षित करने वाला छोटा अणु नियंत्रक, जो वसा पश्च जननीय तथा औषधीय सूत्र को विनियमित करता है"*। (संख्या 18/565,911, 30 नवंबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. सेबेस्टियन चिरंबट्टे पीटर और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"एक उत्प्रेरक, हाइड्रोजन के उत्पादन में इसका अनुप्रयोग"*। (संख्या 18/684,615, 16 फरवरी 2024 को प्रस्तुत)

राष्ट्रीय स्तर, यूरोप

- प्रो. जेम्स प्रेमदास क्लेमेंट चेल्लय्या और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"इंडिरुबिन यौगिक और उनकी विधियाँ/पद्धतियाँ"*। (संख्या 22795166.2, 29 नवंबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. जेम्स प्रेमदास क्लेमेंट चेल्लय्या और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"6बायो के घुलनशील सादृश्य और उनके अनुप्रयोग"*। (संख्या 22795165.4, 29 नवंबर 2023 को प्रस्तुत)
- प्रो. तापस के कुंडू और उनके सहयोगियों द्वारा विकसित *"एक दुर्लभ हिस्टोन रूपांतरण को लक्षित करने वाला छोटा अणु नियंत्रक, जो वसा पश्च जननीय तथा औषधीय सूत्र को विनियमित करता है"*। (संख्या 22815524.8, 2 जनवरी 2024 को प्रस्तुत)

अधिगम गतिविधियाँ - शिक्षा प्रौद्योगिकी एकक (ETU)

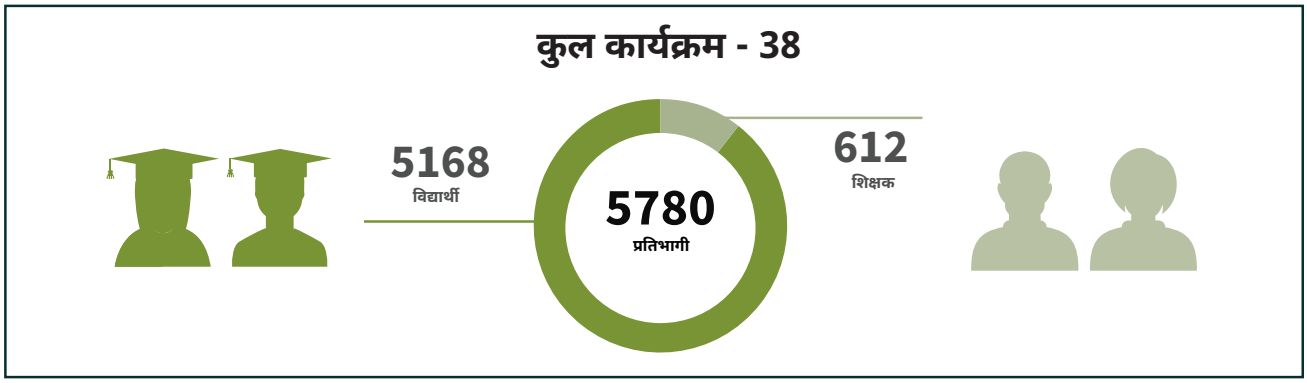

विभिन्न क्षेत्रों में जन-सम्पर्क कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई और इसका उद्देश्य विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देना, व्यावहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना और पूरे भारत में भविष्य की वैज्ञानिक खोज को प्रेरित करना था।

6 अक्टूबर 2023: *'पृथ्वी के भूतकाल (अतीत) को खोज निकालना: भूविज्ञान किस प्रकार हमारे ग्रह की कहानी को प्रकट करता है'* शीर्षक वाला तीसरा प्रो. के. एस. वाल्दिया स्मारक व्याख्यान भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कर्नाटक और गोवा के निदेशक डॉ. आर. सजीव द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 12 कॉलेजों/स्कूलों के 200 विद्यार्थियों और 30 शिक्षकों ने भाग लिया।

20 अक्टूबर 2023: भौतिकी और जीव विज्ञान में एक अंतर्क्रियात्मक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसके दो सत्र थे: डॉ. अरुण पंचानन, JNCASR द्वारा *'आरएनए वायरस की सम्मोहक दुनिया'* और विनायक पत्तार, JNCASR द्वारा *'भौतिकी प्रयोगों के साथ कौतुक'*। इसमें लगभग 180 विद्यार्थियों और 20 शिक्षकों ने भाग लिया।

27-29 अक्टूबर 2023: शिमोगा जिले के सागर में सागर विज्ञान मंच के सहयोग से, ETU ने PUC विद्यार्थियों के लिए वार्षिक विज्ञान शिविर का आयोजन किया इसे सी एन आर राव शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ए. एस. किरण कुमार,

JNCASR से डॉ. एन. एस. विद्याधिराज, इसरो से श्री एस हिरियाना, श्री मंजुनाथ, नेहरू तारालय बेंगलूरू से डॉ. एच. एस. जीवन, श्री एच. आर. मधुसूदन, और पीआरएल अहमदाबाद से डॉ. एल. के. श्रीपति और डॉ. द्विजेश रे द्वारा अंतर्क्रियात्मक कार्यशालाएं और व्यावहारिक गतिविधियाँ और व्याख्यानों को शामिल किया गया था। लगभग 56 विद्यार्थियों (ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा) और 8 शिक्षकों ने भाग लिया।

30-31 अक्टूबर 2023: डॉ. प्रताप विश्नोई और विनायक पत्तार ने *'वैज्ञानिक प्रयोगों के साथ कौतुक तथा प्रयोगालय दौरे'* कार्यक्रम का नेतृत्व किया। कोलकाता के शिक्षायतन स्कूल के चालीस विद्यार्थियों (ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा) और चार शिक्षकों ने भाग लिया।

21 नवंबर 2023: ''संक्रिय में विज्ञान: शिक्षकों के लिए कार्यशाला में पूरे कर्नाटक के ~ 30 शिक्षकों ने भाग लिया।

3 दिसंबर 2023: विज्ञान मंथन, सी एन आर राव एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित और शिमोग्गा जिले के सागर में सागर विज्ञान मंच में आतिथ्य किया गया इसमें शिवमोग्गा के श्री वेंकटेश के एस की विशेष उपस्थिति रही। लगभग 20 विद्यार्थियों (ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा) और शिक्षकों ने भाग लिया।

10-12 दिसंबर 2023: स्कूल चंदन, लक्ष्मेश्वर में एक विज्ञान अधिगम कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसे सी एन आर राव शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित किया गया था। इसमें लगभग 300 विद्यार्थियों और शिक्षकों (ग्रेड X, XI, और XII) ने भाग लिया।

22 दिसंबर 2023: ''संक्रिया में विज्ञान: फन विद साइंस एक्सपेरिमेंट्स' में भौतिकी और रसायन विज्ञान के प्रयोगों का प्रदर्शन और" वाडिया हिमालयी भूविज्ञान संस्थान, देहरादून से प्रो. विनोद चंद्र तिवारी द्वारा पृथ्वी पर जीवन का उद्भव 16" पर एक व्याख्यान शामिल किया गया था। इस कार्यक्रम में 230 विद्यार्थियों (10 वीं, 11 वीं, 12 वीं, और बी. एस. सी. स्तर) और 20 शिक्षकों ने भाग लिया ।

6 जनवरी 2024: चित्रदुर्ग के सरकारी डिग्री कॉलेज में नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी और प्रयोग प्रदर्शन पर 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया, आधे दिन का सत्र आयोजित किया गया।

7 जनवरी 2024: *'विज्ञान मंथन'* कार्यक्रम, जिसमें 24 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया, जिसमें नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी और फन विद साइंस एक्सपैरिमेंट्स पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह शिमोगा जिले के सागर में सागर विज्ञान मंच में आयोजित किया गया था और सी एन आर राव एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित किया गया।

13 जनवरी 2024: बादामी के डॉ. अंबेडकर आवासीय विद्यालय में विज्ञान में एक अंतरक्रियात्मक व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 134 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

18 जनवरी 2024: विनायक पत्तार के नेतृत्व में *'विज्ञान को प्रयोगों के द्वारा सीखना'* कार्यक्रम ने 104 विद्यार्थियों (मुख्य रूप से दसवीं कक्षा) को आकर्षित किया।

20 जनवरी 2024: सी एन आर राव शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित नैनो उर्वरक जागरूकता कार्यक्रम, IFFCO और सागर साइंस फोरम के सहयोग से सागर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. एच. एस. जीवन, श्री राजेंद्र प्रसाद और श्री बी. एल. राजू की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सागर, शिमोगा जिले के लगभग 25 किसानों ने भाग लिया।

1 फरवरी 2024: भौतिकी का एक अंतर्क्रियात्मक व्याख्यान कार्यक्रम और प्रयोगों के माध्यम से विज्ञान सीखने का एक कार्यक्रम आयोजन किया गया और इसमें 52 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

18 फरवरी 2024: जवाहर नवोदय विद्यालय उपनगर, बेंगलूरू में एक तारा वीक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व डॉ. अरुण पंचपकेसन, छवि सैनी, स्वर्णिमा मिश्रा और हृमकर बुच ने किया। इसमें लगभग 271 प्रतिभागी थे (कक्षा IX से XII)।

23 फरवरी 2024: "राजभाषा सम्मेलन" (संयुक्त राजभाषा सम्मेलन) के हिस्से के रूप में, आधे दिन का विज्ञान जन-सम्पर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. अमिताभ जोशी और डॉ. जयश्री एस. भट्ट द्वारा व्याख्यान दिए गए। जेएनवी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के दसवीं और ग्यारहवीं कक्षा के लगभग 105 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया।

28 फरवरी 2024: *"विकसित भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी"* विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने हेतु ETU और F&E द्वारा एक मुक्त दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लगभग 525 विद्यार्थियों (ग्रेड IX, X, XI, XII, B.Sc., M.Sc., और Ph.D.) ने इसमें भाग लिया।

7 मार्च 2024: बेंगलूरू के क्रिस्टु जयंती कॉलेज में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में ETU और F&E द्वारा एक संस्थागत यात्रा आयोजित की गई थी और पूरे भारत के 70 अनुसंधान विद्वानों के विविध समूह ने भाग लिया।

14 मार्च 2024: *India@DESY यूज़र वर्कशॉप,* JNCASR के हिस्से के रूप में विज्ञान दीर्घाओं तथा रासायनिक प्रदर्शनों का दौरा और प्रयोग प्रदर्शनों की व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में जैन विश्वविद्यालय और रेवा विश्वविद्यालय, बेंगलूरू से 90 M.Sc. और Ph.D. के विद्यार्थियों और 10 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

19 मार्च 2024: लेखन अनुसंधान प्रस्ताव, नैनो विज्ञान और प्रयोग प्रदर्शन कार्यक्रम, कर्नाटक विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी, बेंगलूरू में आयोजित किया गया था और इसमें डिग्री कॉलेज के 35 B.Sc. विद्यार्थी और 20 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

14 जून 2024: एक अंतर्क्रियात्मक जीव विज्ञान व्याख्यान और शिक्षक प्रशिक्षण सत्र में 150 विद्यार्थियों और 30 शिक्षकों ने भाग लिया।

1 जुलाई 2024: JNCASR में *"उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षक पुरस्कार"* कार्यक्रम में विज्ञान शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिसमें उत्तराखंड, लक्ष्मेश्वर, सागर और बेंगलूरू से 530 विद्यार्थियों और 95 शिक्षकों से भाग लिया। कार्यक्रम में व्याख्यान, विज्ञान दीर्घाओं तथा रासायनिक प्रदर्शनों का दौरा शामिल था। प्रो. राघवेंद्र गदगकर ने *"सभी के लिए विज्ञान"* पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

20 जुलाई 2024: कर्नाटक ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा सुमंगली सेवाश्रम, बेंगलूरू और ETU के सहयोग से आयोजित प्रतिभा पुरस्कार कार्यक्रम में 155 प्रतिभागियों को शामिल किया गया, जिनमें कक्षा VI से X तक के 120 अनाथ और विकलांग विद्यार्थी और 35 शिक्षक शामिल हैं। यह कार्यक्रम वैज्ञानिक अन्वेषण को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित था।

14 अगस्त 2024: एक विज्ञान अधिगम कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बेंगलूरू के जवाहर नवोदय विद्यालय के 180 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और जवाहरलाल नेहरू तारामंडल के निदेशक डॉ. बी आर गुरुप्रसाद ने भारत के अंतरिक्ष अभियानों पर व्याख्यान दिया।

20 21 अगस्त 2024: IISc और अन्य संगठनों के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय लघु रसायन विज्ञान कार्यशाला में भारत भर से 110 हाई स्कूल रसायन विज्ञान शिक्षकों को छोटे पैमाने पर किए जाने वाले प्रयोगों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को 100 केमिस्ट्री किट वितरित किए गए।

22 अगस्त 2024: सुमंगली आश्रम, हेब्बल के 40 अनाथ विद्यार्थियों और 10 शिक्षकों के लिए विज्ञान में एक अंतर्क्रियात्मक व्याख्यान कार्यक्रम।

26 अगस्त 2024: भारतीय अकादमी न्यास और भारतीय विज्ञान अकादमी के साथ 45 विद्यार्थियों और 4 शिक्षकों के लिए भौतिकी और जीवविज्ञान पर अंतर्क्रियात्मक व्याख्यान आयोजित किया गया।

28 अगस्त 2024: एक अन्य विज्ञान अधिगम कार्यक्रम, जिसमें ऐतिहासिक और समकालीन विज्ञान का सम्मिश्रण होता है, जिसमें कक्षा 8-12 के 72 विद्यार्थियों और 6 शिक्षकों को शामिल किया गया है।

12 सितंबर 2024: ***"नैनोविज्ञान: लघु विज्ञान, महान प्रभाव"*** पर एक कार्यक्रम में कक्षा 10-12 और 8 के 105 विद्यार्थियों को शामिल किया गया।

19 सितंबर 2024: एक दूसरे कार्यक्रम, ***"सर्वोपरि कूतूहलता: विज्ञान सर्वत्र"*** में 160 से अधिक विद्यार्थियों और 15 शिक्षकों ने भाग लिया, जिसमें वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

अधिगम गतिविधियाँ -
अधिसदस्यता और विस्तरण (F&E) कार्यक्रम

अधिसदस्यता कार्यक्रम

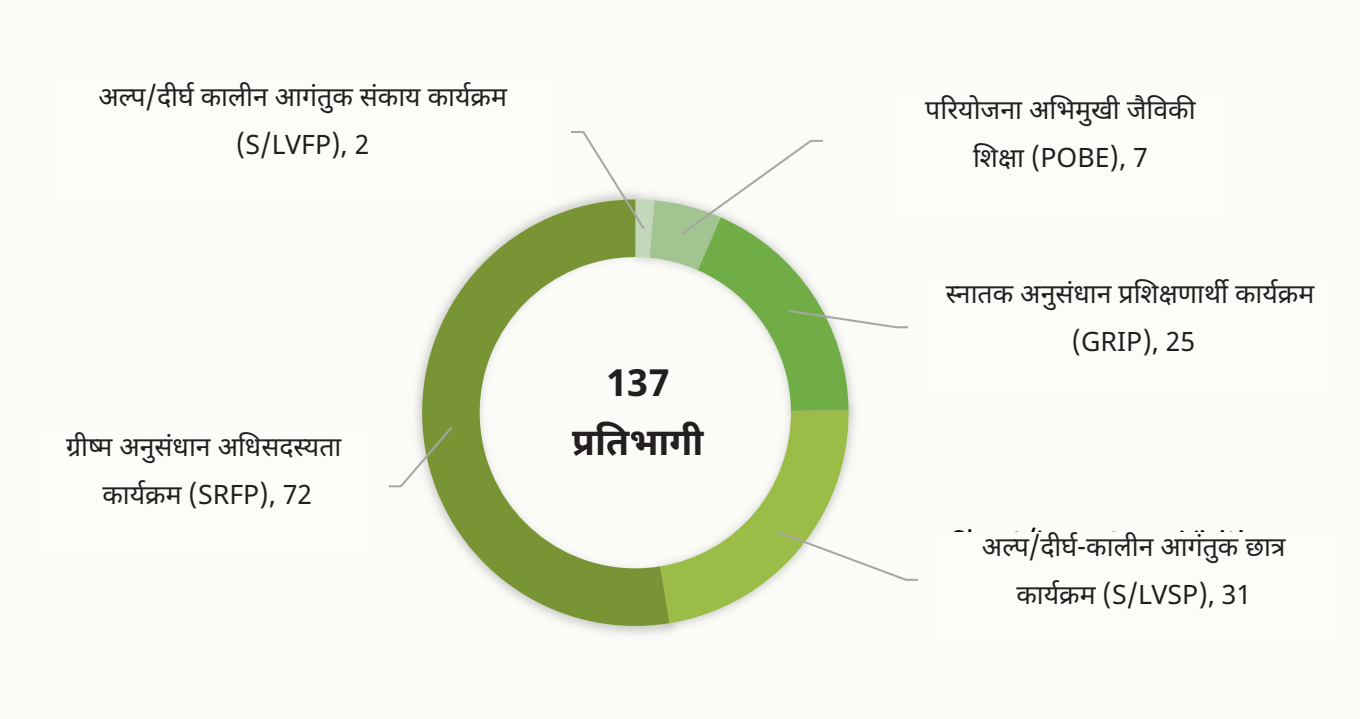

अल्पावधि आगंतुक अधिसदस्यता कार्यक्रम

प्रो. एम ईश्वरमूर्ति, ICMS की प्रयोगशाला में दो अनुसंधानकर्ताओं ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया - डॉ. मीगल एस मैथ्यू, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, मार अथानासियस कॉलेज, कोठामंगलम, केरल और डॉ. ए कुमारवेल, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, पीएसजी प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान संस्थान, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु।

संस्थागत आंगतुक कार्यक्रम (IVP)

एम एस रामय्या कला विज्ञान व वाणिज्य महाविध्यालय, बेंगलूरू से रसायन विज्ञान में एमएससी करने वाले कुल 36 विद्यार्थियों ने चार शिक्षकों के साथ 30 मई 2024 को NCU, CPMU, ICMS, रासायनिक प्रदर्शालय और सी एन आर राव विज्ञान दीर्घा कक्ष में अनुसंधान प्रयोगशालाओं का दौरा किया।

राजभाषा का कार्यान्वयन
(हिंदी कक्ष)

राजभाषा (OL) सम्मेलन

IIA और RRI के सहयोग से 22 और 23 फरवरी 2024 को JNCASR में दो दिवसीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सुश्री ए धनलक्ष्मी, संयुक्त सचिव, DST, प्रो. जी यू कुलकर्णी, अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति और अध्यक्ष, JNCASR, श्री अनिर्बन कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), गृह मंत्रालय, केंद्रीय सदन, बेंगलूरू और डॉ. कामाख्या एन. सिंह, उप निदेशक (राजभाषा), DST, नई दिल्ली इस कार्यक्रम में उपस्थित गण्यमान्य व्यक्ति थे। इस आयोजन में "राजभाषा और सरकार की नीति", "राजभाषा के कार्यान्वयन की ज़िम्मेदारी", "पीसी में नवीनतम हिंदी सॉफ़्टवेयर के उपयोग के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण", और "राजभाषा के अन्य निरीक्षण प्राधिकारी और हमारी जिम्मेदारियां" जैसे विषयों पर व्याख्यान शामिल थे। दूसरे दिन, प्रो. अमिताभ जोशी और डॉ. जयश्री सनवाल के नेतृत्व में हिंदी में विज्ञान अधिगम व्याख्यान कार्यक्रम में बंगलूरू ग्रामीण और शहरी के जवाहर नवोदय विद्यालय के 80 विद्यार्थियों (कक्षा 11) ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति (OLIC) की बैठकें

पिछले छह महीनों में, केंद्र में राजभाषा (OL) कार्यान्वयन की निगरानी के लिए दो राजभाषा कार्यान्वयन समिति (OLIC) बैठकें आयोजित की गईं।

हिंदी कार्यशालाएँ

दो दिवसीय हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम और दो हिंदी कार्यशालाएँ — एक "*हिंदी व्याकरण*" पर और दूसरी "*राजभाषा नीति और हमारी जिम्मेदारियाँ*" पर —आयोजित की गई थीं।

निबंध प्रतियोगिता

19 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, राजभाषा अनुभाग ने *"भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियाँ"* विषय पर हिंदी और अंग्रेजी में एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2024

विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएँ और हिंदी पखवाड़ा समारोह आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में हिंदी निबंध प्रतियोगिता, टिप्पणी (आलेखन) और मसौदा लेखन तथा हिंदी वर्ग पहेली और हिंदी अंताक्षरी शामिल थे। भाषाओं के बीच सामंजस्य बनाए रखने के लिए *"भारतीय भाषा सद्भाव दिवस"* मनाया गया; इस अवसर पर, *"भारतीय भाषा गायन प्रतियोगिता"* का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में लगभग चालीस व्यक्तियों ने भाग लिया ।

व्याख्यान, संगोष्ठियाँ और सम्मेलन

- **वार्षिक संकाय बैठक और आंतरिक विचार-संगोष्ठी (AFM-IHS 2023): दो दिवसीय AFM-IHS 2023** का आयोजन 16 और 17 नवंबर 2023 को किया गया था। AFM की शुरुआत JNCASR के अध्यक्ष प्रो. जी यू कुलकर्णी के भाषण और पिछले विगत वर्ष में केंद्र की महत्वपूर्ण प्रगति पर संकाय कार्यो के संकायाध्यक्ष प्रो. उमेश वी वाघमारे की टिप्पणियों के साथ हुई। इस कार्यक्रम में 12 संकाय व्याख्यान, 2 अतिथि व्याख्यान, 18 विद्यार्थी व्याख्यान और 66 भित्तिचित्र (पोस्टर) प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। IHS का समापन उपाधि पुरस्कार समारोह और IHS पुरस्कारों के साथ हुआ।

वार्षिक संकाय बैठक

उपाधि प्रदान समारोह

- वार्षिक **अंतर्राष्ट्रीय शरद-स्कूल** *"पदार्थ विज्ञान में सीमांत" का आयोजन 4 से 6 दिसंबर 2023 तक JNCASR* में किया गया था। इस कार्यक्रम में भारत और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों की भित्तिचित्र (पोस्टर) प्रस्तुतियाँ और वक्ता शामिल थे, और प्रतिभागियों ने पदार्थ विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों पर गहन चर्चा की।

- **पदार्थों में नवीनतम उन्नतियाँ (RAM-90) सम्मेलन का** आयोजन 6 से 9 दिसंबर 2023 तक JNCASR में किया गया था। कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, JNCASR संकाय सदस्यों और पूर्व विद्यार्थियों ने पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में अपने नवीनतम अनुसंधान— प्रमात्रा उलझन से लेकर ऑक्साइड, अर्धचालक इत्यादि पर चर्चा की।

आरएएम-90 सम्मेलन

प्रो. सी.एन.आर. राव का अभिनंदन कार्यक्रम

- 6 दिसंबर 2023 को प्रो. राम शेषाद्री द्वारा "नए न्यून-k विद्युत-रोधी पदार्थों और स्थलाकृतिक अतिचालकों की खोज" विषय पर **13वां शेख सर्क़ पदार्थ विज्ञान व्याख्यान** प्रस्तुत किया गया ।

- JNCASR के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने DBT THSTI-RCB कैंपस, फरीदाबाद, हरियाणा में 17-20 जनवरी 2024 तक आयोजित **भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समारोह 2023** में DST मंडप के तहत हमारे प्रदर्शनी स्टाल पर केंद्र के अनुसंधान और संपोषणीय नवोन्मेष का प्रदर्शन किया। हमारे दीर्घा (स्टाल) पर आने वाले उल्लेखनीय आगंतुकों में हरियाणा के मुख्यमंत्री, सचिव, DST

और इसरो के अध्यक्ष शामिल रहें ।

- विकासवादी जैविक जैविकी एकक (EOBU) की स्थापना के 25वें वर्ष के उपलक्ष्य में 16-17 फरवरी 2024 तक दो दिवसीय संगोष्ठी, **EOBU@25** का आयोजन संकर/सम्मिश्र प्रकारी में किया गया था। इस संगोष्ठी में एकक के सदस्यों, पूर्व विद्यार्थियों और उनके अनुसंधान सहयोगियों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान शामिल थे। इसके अलावा, स्वीडन के लुंड विश्वविद्यालय के प्रो. एरिक स्वेन्सन द्वारा *"अक्षांशीय विविधता प्रवणताओं पर विचार और व्यष्टि और समष्टि जैव विकास को कैसे लिंक करें": पुराने कीट अनुक्रम से अंतर्दृष्टि"* विषय पर **डार्विन व्याख्यान** *(श्रृंखला में 8 वां) दिया गया था ।*

- 60 साल पहले आण्विक गतिकी अनुरूपण में डॉ. अनीस रहमान के अग्रणी योगदान के उपलक्ष में **JNCASR-CECAM अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन MD@60** का आयोजन 26 से 29 फरवरी 2024 तक JNCASR में किया गया था। यह सम्मेलन यूरोपीय परमाणु तथा अणु परिकलन केन्द्र (CECAM) के साथ सह-आयोजित किया गया था और CPMU के प्रो. एस बालसुब्रमण्यम और TSU, JNCASR से प्रो. उमेश वी वाघमारे द्वारा संयोजित किया गया था।

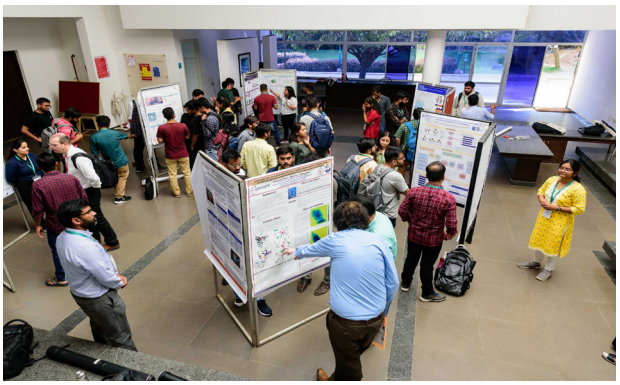

MD@60 सम्मेलन भित्तिचित्र (पोस्टर) सत्र

- अमेरिकी रासायनिक संघ (ACS) ने JNCASR के सहयोग से 1 मार्च 2024 को JNCASR में एक अंतर्क्रियात्मक व्याख्यान कार्यक्रम **'ACS** परिसर पर' का आयोजन किया। कार्यक्रम ने 180+ विद्यार्थियों और शिक्षकों को वैज्ञानिक लेख प्रकाशित करने और विज्ञान संचार की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जागरूक किया।

- **तंत्रिका विज्ञान एकक (NSU) के 10वें वर्ष और JNCASR का 35वां वार्षिक समारोह** मनाते हुए, इकाई/एकक ने 8 और 9 मार्च 2024 को डॉ. अचिरा रॉय और प्रो. शीबा वासु द्वारा सह-आयोजित "तंत्रिका संकट/विप्लव: अणुओं से व्यवहार (स्वभाव) तक" संगोष्ठी का आतिथ्य किया। इस कार्यक्रम में, जिसमें देश-विदेश से 33 आमंत्रित वक्ता थे, में विविध मॉडल प्रणालियों में तंत्रिका जैविकी के क्षेत्र में विविध विषयों पर सत्रों को शामिल किया गया था। इसके अतिरिक्त, भारत में तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में संभावित उपायों पर एक पैनल चर्चा हुई और eLife संपादक के साथ एक अंतर्क्रियात्मक सत्र हुआ, जहां TIFR मुंबई की प्रो. विदिता वैद्य ने समकक्ष समीक्षा और प्रकाशन के सूक्ष्म भेदों पर चर्चा की।

- JNCASR ने 12 से 14 मार्च 2024 तक india@DESY उपभोक्ता कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम, JNCASR और DESY जर्मनी के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग है, जो भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की नैनो मिशन योजना के तहत प्रायोजित है, इसमें भारत और विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया में, जिसमें DST के प्रतिनिधि भी शामिल थे।

एसीएस ऑन कैंपस बैठक के दौरान व्याख्यान

- **ACS इग्नाइट 2024** का आयोजन 13 जून 2024 को अमरीकी रासायनिक संघ के अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थी/ छात्र अध्याय के सहयोग से JNCASR में किया गया था। प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन, आईआईएम बेंगलूरू के निदेशक ने *"गहन विज्ञान साहसिक कार्य निर्माण : कौशलपूर्ण परिप्रेक्ष्य"* के बारे में चर्चा की और वेंचर सेंटर के संस्थापक निदेशक डॉ. प्रेमनाथ वेणुगोपालन ने *"डीप साइंस स्टार्टअप्स: चयनित चुनौतियाँ और उपाय"* पर एक भाषण प्रस्तुत किया ।

- **"मानसून/ वर्षाऋतु के स्वर-माधुर्य:** पवन/वायु और वर्षा के प्राकृतिक स्वर-संगीत/सुरीलापन" विषय पर 15 मार्च 2024 को JNCASR में ETU से डॉ. इंदुमती राव और GDU से डॉ. जयश्री सनवाल भट्ट द्वारा **ध्वनि व्याख्यान** दिया गया।

- 28 मार्च 2024 को प्रो. कृष्ण एन गणेश, NCU में DST राष्ट्रीय विज्ञान पीठ द्वारा *"समान परंतु समान नहीं: जीवन में दर्पण सममिति"* विषय पर एक और ध्वनि व्याख्यान दिया गया। 19 अप्रैल 2024 को डॉ. टी. वी. रामचंद्र द्वारा "त्वरित अनियोजित नगरीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण बेंगलूरू में पानी की कमी" पर तीसरा **ध्वनि व्याख्यान** दिया गया।

- **CPMU दिवस** (14 सितंबर 2024) पर, डॉ. आर बूमी शंकर, IISER पुणे ने "दाब विद्युत ऊर्जा संचयन अनुप्रयोगों के लिए जैविक और संकर/सम्मिश्र लौहविद्युत" पर वार्षिक पूर्व विद्यार्थी पदार्थ विज्ञान व्याख्यान दिया; और डॉ. कल्याण, IIT गुवाहाटी ने "पुनर्निर्मित स्तरित पदार्थ: आयनिक ताप विद्युत अध्ययनों के लिए एक उत्कृष्ट मंच" विषय पर एक भाषण दिया"
- 3 अक्टूबर 2024 को वी एस हेगडे औपचारिक वैज्ञानिक सचिव, इसरो द्वारा "भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम: राष्ट्रीय विकास के लिए अंतरिक्ष" पर **प्रो. के. एस. वाल्दिया स्मारक व्याख्यान** दिया गया।

उपर्युक्त के अलावा, केंद्र के प्रत्येक एकक द्वारा समुच्चय रूप से 75+ अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें संगोष्ठियाँ, व्याख्यान, कार्यशालाएँ और सम्मेलन शामिल रहें ।

आगामी व्याख्यान/बैठकें/संगोष्ठियाँ

- 21 से 22 नवंबर 2024 तक **वार्षिक संकाय** बैठक और **आंतरिक संगोष्ठी।**
- 12 दिसंबर 2024 को JNCASR में **एक रसायन विज्ञान बैठक** (रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री द्वारा आयोजित)।
- JNCASR में 13 से 17 दिसंबर 2024 तक **छठी अंतर्राष्ट्रीय क्रोमोसोम स्थिरता बैठक** (CS2024)।

www.jncasr.ac.in

संपादकीय दल
ग्रंथालय, JNCASR

प्रतिलिपि संपादक
ग्रंथालय, JNCASR और डॉ. नीना रत्नाकरन

अभिकल्प
डेटावर्क्स (www.dataworx.co.in)

जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र
जक्कूर पोस्ट, बेंगलूरू - 5600 064, कर्नाटक, भारत
फ़ोन: 91-80-22082750; फ़ैक्स: 91-80-22082766; ईमेल: admin@jncasr.ac.in

© कॉपीराइट 2024 जेएनसीएएसआर